शाहरुख की जिंदगी पर फिट बैठते हैं पठान के डायलॉग्स...

7 पेज

जय हिन्द जनाब

तापमान 27 °C | °F 16 °C | °F

हर नज़र पर ख़बर — हर ख़बर पर नज़र

आर्द्रता 48 %

वात 19 KM/H

इन्वेस्टर समिट में यमुना प्राधिकरण ने उद्यमियों को किया आकर्षित

8 पेज

वर्ष : 18, अंक : 240 पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपए UPHIN/2005/14445 www.jaihindjanab.com नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) बृहस्पतिवार, 03 नवंबर, 2022

प्रदूषण पर प्राधिकरण गंभीर

लिए गए कई महत्वपूर्ण फैसले, सावधानी बरतने की सलाह, लापरवाहों पर जुर्माना

जय हिन्द संवाद

नोएडा। नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने प्राधिकरण के अधिकारियों, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों, जिला वन अधिकारी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी के साथ नोएडा- ग्रेटर नोएडा एवं जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में वायु प्रदूषण नियंत्रण एवं सीएक्यूएम द्वारा ग्रैप के विभिन्न प्रावधानों के सम्बन्ध में की जा रही कार्यवाही की समीक्षा बैठक की गई जिसमें निम्न निर्देश दिए।

सीईओ ने सभी वर्क सर्किल प्रभारियों द्वारा अवगत कराया गया है कि नोएडा- ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में कोई भी हॉट-मी एवं प्लांट, आरएमसी प्लांट एवं स्टॉन क्रेशर वर्तमान में संचालित नहीं है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा नियमित रूप से निगरानी करते हुए इनका संचालन पूरी तरह से बंद रखे जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने नोएडा क्षेत्र में 90 स्प्रिंकलर टैंकर तथा 40 एन्टी स्मॉग गन कार्यशील होने से अवगत कराया गया। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 20 स्प्रिंकलर टैंकर तथा 12 एन्टी स्मॉग गन कार्यशील होने से अवगत कराया गया। नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में वॉटर स्परिंगक्लीनिंग हेतु अतिरिक्त टैंकर लगाकर एसटीपी शोधित जल से सड़कों पर पानी का छिड़काव कराने व पौधों की धुलाई करने के निर्देश दिये गये जो टैंकर वर्तमान में चलाये जा रहे हैं उनके फेरे बढाते हुए ट्रैफिक आवर से पूर्व पर्याप्त मात्रा में

जल छिड़काव हेतु निर्देशत किया गया। मैकेनिकल स्वीपिंग की मशीनों में पानी के छिड़काव की उचित व्यवस्था न होने के कारण धूल उड़ाने की शिकायत प्राप्त हो रही है। सभी मैकेनिकल स्वीपिंग एजेंसियों के माध्यम से पानी का छिड़काव करते हुए मानक के अनुरूप निर्धारित गति पर मैकेनिकल स्पीपिंग मशीनों के चलाये जाने के निर्देश दिये गये। उल्लंघन की स्थिति में सम्बन्धित एजेंसी पर पेनल्टी अधिरोपित करने के निर्देश दिये गये। 500 मीटर से बड़ी साईटों को डस्ट ऐप पर पंजीकृत कराने के निर्देश दिए तथा जो प्रोजेक्ट ऐप पर रजिस्टर नहीं होते हैं उन्हे तत्काल बंद करने के निर्देश दिए।

सभी निर्माण स्थलों पर मैटेरियल को ढककर रखने, एन्टी स्मॉग गन स्प्रिंकलर का उपयोग करने तथा साईटों को ग्रीन नेट से ढकने के निर्देश दिये गये, 5000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल के सभी निर्माण स्थलों पर एक एन्टी स्मॉग गन, 5000 से 10000 वर्गमीटर की प्रत्येक साईट पर 02 एन्टी स्मॉग गन 10000 से 15000 वर्गमीटर के निर्माण स्थलों पर 03 एन्टी स्मॉग गन तथा 20000 वर्गमीटर से बडे निर्माण स्थलों पर 04 एन्टी स्मॉग गन स्थापना एवं संचालन कराया जाना अनिवार्य होगा।

ग्रैप में निर्धारित मानकों का पालन न करने वाली निर्माण एजेन्सियों, कार्यदायी संस्थाओं, वाहनों पर विशेष अभियान चलाकर भारी जुर्माना लगाने के निर्देश दिये गये। विशेष अभियान चलाकर सड़कों / खाली स्थानों पर पड़े सी-डी वेस्ट को उठवाकर प्रोसेसिंग प्लान्ट पर पहुंचाने के लिए निर्देशित किया गया। शहर में किसी भी प्रकार के कूड़े गार्बेज, पत्ते जलाने एवं कोयले का उपयोग करने वाले तंदूर पर प्रतिबंध लगाने एवं उल्लंघनकर्ताओं पर भारी जुर्माना लगाने व कानूनी कार्यवाही के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी (वित्त राजस्व) द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में कोई भी खनन का कार्य वर्तमान में संचालित नहीं है मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने ग्रैप लागू रहने की अवधि में किसी भी प्रकार के खनन कार्य के संचालन पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश दिये गये। मुख्य अग्निशमन अधिकारी द्वारा वायु प्रदूषण की रोकथाम हेतु छिड़काव में प्रयोग हेतु 05 फायर टेंडर उपलब्ध कराने हेतु आश्वासन दिया गया।

कड़ाई से अनुपालन करने के लिए किया निर्देशित

नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा के क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में कोई भी औद्योगिक इकाई बिना अनुमन्य ईंधन के संचालित नहीं की जा रही है। डीजल जनरेटरों का प्रयोग मात्र लिफ्ट, आकस्मिक सुविधाओं, चिकित्सा संस्थानों, रेलवे स्टेशन, मैट्रो स्टेशनों आदि पर ग्रैप के प्रावधानों के अनुसार अनुमन्य होगा। मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदया द्वारा ग्रैप के इस प्रावधान का भी कड़ाई से अनुपालन करने हेतु निर्देशित किया गया।

स्कूलों में आउटडोर एक्टीविटीज बंद कराने के लिए एडवाइजरी जारी

ग्रैप के माध्यम से स्थापित 20 एक्यूआई सेंसर की रिपोर्ट दैनिक आधार पर उपलब्ध कराये जाने एवं उसी अनुरूप सम्बन्धित क्षेत्र की वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए। साथ ही सीईओ ने अपर जिलाधिकारी को बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से स्कूलों में आउटडोर एक्टीविटीज बंद कराने हेतु एडवाइजरी जारी करने के निर्देश भी दिए। ग्रैप के प्रावधानों के उल्लंघन पर गत एक अक्टूबर से अब तक नोएडा प्राधिकरण की टीमों ने लगभग 74 लाख रू. की पेनाल्टी अधिरोपित की गई है।

टैंकर में जा घुसी रोडवेज दो की मौत

आगरा। आज सुबह भीषण हादसा हो गया। आगरा-कानपुर हाईवे में रोडवेज बस आगे चल रहे टैंकर में जा घुसी। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक यात्री और एक कंडक्टर है। 10 घायल हैं, जिनमें 4 की हालत गंभीर है।

रोडवेज बस कानपुर से आगरा जा रही थी, इसमें 35 यात्री थे। हादसा आगरा से कुछ दूर पहले कुबेरपुर के पास सुबह 6 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ है। सीओ रवि कुमार गुप्ता ने दो मौत की पुष्टि की। मृतकों की पहचान कंडक्टर राजेश कुमार (47) एक अज्ञात उम्र (45) के रूप में की है। वहीं, घायलों में रोहित (23), बस डाइवर योगेंद्र प्रताप (35) दिनेश (25), सतेंद्र, रघुवर, अश्वनी, आकांक्षा (30) थान सिंह (40) अल्फाज खान, राजकुमार के रूप में हुई है।

सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत

हाथरस। आज तड़के बड़ा हादसा हो गया। बरेली से राजस्थान स्थित खाटू श्याम के मंदिर दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी कार और ट्रक में आमने सामने की भीषण भिडंत हो गई। सड़क हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक युवक घायल हो गया। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा।

वृंदावन में होटल में भीषण आग, जिंदा जले दो कर्मचारी

100 पर्यटकों को निकाला गया, बिना फायर विभाग की एनओसी के चल रहा था होटल

जय हिन्द संवाद

मथुरा। वृंदावन के गार्डन होटल में भीषण आग लग गई। हादसे में दो कर्मचारियों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि एक कर्मचारी झुलस गया। उसकी हालत गंभीर है। उसे आगरा के स्ह मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया है। आग होटल की ऊपरी मंजिल के गोदाम में लगी। फिर धीरे-धीरे यह नीचे तक पहुंचने लगी।

होटल की जिस बिल्डिंग में आग लगी वह 3 फ्लोर की है। इसमें पहली में रेस्टोरेंट्स, दूसरी में किचन और तीसरी में गोदाम है। आग की शुरुआत गोदाम से हुई है। वहीं, इसी बिल्डिंग से सटी बगल में दूसरी ब्लॉक है, उसमें 25 कमरे बने हुए हैं। इनमें सूरत और हिसार और जम्मू के पर्यटक ठहरे हुए थे। इनकी श्री मद भागवत कथा चल रही थी। ओडिशा के भागवत प्रवक्ता भागवत कर रहे थे। आज भागवत कथा का आखिरी दिन था। सुबह तड़के यह हादसा हो गया। होटल मथुरा वृंदावन रोड पर मुख्य मार्ग पर बना हुआ है।

लखनऊ में कोचिंग की बिल्डिंग में लगी आग, रेस्क्यू जारी

लखनऊ। हजरंगत की प्रिंस मार्केट की बिल्डिंग में आग लग गई। आग से अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर पहुंची दमकल की गाड़ियां आग बुझाने की कोशिश कर रही हैं। आग बिल्डिंग की चौथे फ्लोर पर लगी है। बिल्डिंग में चौथे फ्लोर पर आग लगने से कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ रहे बच्चे फंस गए। दमकल विभाग की टीम उनको निकालने की कोशिश कर रही है।

मिक्सिंग, आरएमसी प्लांट, स्टोन क्रशर, तंदूर के साथ स्कूलों में आउटडोर एक्टिविटी बंद

जय हिन्द संवाद

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। सीईओ रितु माहेश्वरी ने जनपद में चल रहे सभी हॉट मिक्सिंग प्लांट, आरएमसी प्लांट, स्टोन क्रशर के संचालन को बंद करने के निर्देश दिए है। इसके अलावा नोएडा और ग्रेटरनोएडा में वाटर स्प्रिंकल के लिए अतिरिक्त टैंक लगाने के लिए कहा गया है। अभी 90 स्प्रिंकलर और 40 एंटी स्मॉग गन नोएडा में और 20 स्प्रिंकलर टैंकर और 12 एंटी स्मॉग गन ग्रेटरनोएडा में काम कर रही है। नोएडा ग्रेटर नोएडा में एक अक्टूबर से अब तक करीब 72 लाख रुपए का जुर्माना विभिन्न संस्थाओं पर लगाया जा चुका है। ऐसे में जुर्माना की कार्यवाही को और बढ़ाया जाए। ताकि प्रदूषण पर रोकथाम की जा सके।

500 मीटर से बड़ी साइट को डस्ट ऐप पर रजिस्टर्ड कराने के निर्देश दिए गए है। जो प्रोजेक्ट एप पर रजिस्टर्ड नहीं है उनको तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए गए है। निर्माण स्थलों पर मटेरियल को ढक-कर रखने ग्रीन शीट से ढकने, 5000 से 10 हजार वर्गमीटर की प्रत्येक साइट पर दो एंटी स्मॉग गन, 10 से 15 हजार वर्गमीटर पर तीन स्मॉग गन और उससे बड़े यापी 20 हजार वर्गमीटर पर चार स्मॉग गन लगाए जाए।

ग्रेप के नियमों का पालन नहीं करने वाली कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाया जाए। शहर में किसी प्रकार का कूड़े, गार्बेज, पत्ते, कोयला और तंदुर पर प्रतिबंध लगाया जाए। ग्रेप लागू होने तक किसी प्रकार का खनन का काम नहीं होना चाहिए। पांच फायर टेंडर से रोजाना पेड़ों की पत्तियों की धुलाई कराई जाए।

डीजल जनरेटर का प्रयोग लिफ्ट , आकस्मिक सुविधाओं , चिकित्सा संस्थाओं , रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन पर ग्रेप के नियमों के अनुसार किया जाए। आईटीएमएस के जरिए 20 एक्यूआई सेंसर की रिपोर्ट रोजाना दी जाए। स्कूलों में आउटडोर एक्टिविटी को बंद किया जाए। इसके लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी को एडवाइजरी जारी करने के लिए कहा गया।

खास खबर

70 बच्चों की मौत मामला:

भारतीय कफ सिरप से बच्चों की मौत की पुष्टि नहीं

नई दिल्ली। गाम्बिया में कथित तौर पर भारतीय कफ सिरप से 70 बच्चों की कथित मौत के मामले में ब ?ा यू-टर्न आया है। गाम्बिया ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है कि भारत में बनी खांसी की दवा ही बच्चों की मौत की वजह है। गाम्बिया की मेडिसिन कंट्रोल एजेंसी के हवाले से रायटर ने यह जानकारी दी है। गाम्बिया मेडिसिन कंट्रोल एजेंसी के प्रतिनिधि टीजन जैलो ने 31 अक्टूबर को एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा, अभी पुष्टि नहीं हुई है कि भारतीय खांसी की दवाई से बच्चों की किड़नी खराब हुई थी। हम बच्चों की मौत की सही वजह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अभी तक यही पता है कि खांसी की दवा से 70 बच्चों की मौत हुई थी।

अभिभावकों की डीएम से स्कूली बच्चों को मास्क अनिवार्य करने की मांग

जय हिन्द संवाद

नोएडा। गौतमबुद्धनगर पेरेंट्स वेल्फेयर सोसाइटी (जीपीडब्ल्यूएस) ने प्रदूषण के कारण दूषित वायु के जहरीले प्रभाव से बच्चों को बचाने के लिए स्कूलो में मास्क को अनिवार्य रूप से पहनकर आने के लिए जिलाधिकारी से स्कूलों को आदेश देने के लिए निवेदन किया।

जीपीडब्ल्यूएस के संस्थापक मनोज कटारिया ने बताया कि नोएडा तथा एन सी आर के प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है जिससे बच्चों एवं बुजुर्गों में ही नहीं बल्कि सभी आयु वर्ग के कारण अधिकांश लोगो में खांसी और साँस लेने में दिक्कत की शिकायतें आ रही है।

कोरोना की भयावहता के आगे प्रदूषण की भयावहता नागरिको को कम महसूस हो रही है जिसके कारण सभी लोग प्रदूषण से बचने का प्रयास नहीं कर रहे हैं जबकि डॉक्टर घर से बाहर मास्क पहनकर निकलने की सलाह दे रहे हैं तथा प्रदूषण की जहरीली हवा से फेफड़ो के लिए गंभीर खतरे का आभास तथा जानलेवा तक बता रहे हैं। गौतमबुद्धनगर पेरेंट्स वेल्फेयर सोसाइटी जिलाधिकारी एवं जिला प्रशासन से अनुरोध करती है कि प्रदूषण के बढ़ते हुए प्रकोप को देखते हुए जनहित में विशेषकर स्कूलो के लिए एक एडवायजरी/नोटिस जारी कर मास्क पहनकर स्कूल आने या बाहर निकलने के साथ-साथ जिला चिकित्साधिकारी द्वारा इससे बचने के अन्य उपाय भी बताये जाये।

डेंगू के डंक से हाहाकार

सेक्टर के एक ही ब्लॉक में 75 लोगों संक्रमित

जय हिन्द संवाद

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एरिया के आवासीय सेक्टरों में डेंगू और दूसरे बुखारों ने हालात खस्ता कर दी है। एक सेक्टर के एक ही ब्लॉक में करीब 75 लोग डेंगू की चपेट में हैं। यह सारे लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। खराब हालत का अंदाजा इस बार से लगा सकते हैं कि की घरों में माता-पिता, दोनों अस्पताल में हैं और बच्चों को कोई खाना तक देने वाला नहीं है। दूसरी तरफ जिला का स्वास्थ्य महकमा चैन की नींद सो रहा है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के आवासीय सेक्टर-3 में डेंगू ने पैर पसार लिए है। इस सेक्टर के अकेले ए ब्लॉक में ही 75 लोग डेंगू की चपेट में आ गए हैं। इनमें से 50 लोग दिल्ली, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के हॉस्पिटलों में इलाज करा रहे हैं। सेक्टर-3 के ए ब्लॉक में रहने वाले पवन कुमार ने बताया कि हम लोगों ने अथॉरिटी से प्लॉट लेकर करोड़ों रुपए खर्च करके सुकून से बसने

का सपना देखा था। लेकिन यह सपना अब धूमिल होता दिखाई दे रहा है। सेक्टर की ओर ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी का ध्यान नहीं है। मूलभूत सुविधाओं पर कोई ध्यान देने वाला नहीं है। अथॉरिटी ने एक बार भी फोगिंग और लार्वा मरने के लिए दवाओं का छिड़काव नहीं कराया है। केवल फाइलों में ही सब कुछ हो जाता है।

पवन कुमार ने बताया कि सेक्टर-3 में डेंगू ने कहर बरपाया हुआ है। अकेले सेक्टर के ए ब्लॉक में ही 75 लोग डेगू की चपेट में आ गए हैं। जिसमें से 50 लोग दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग शहरों में हॉस्पिटलों में इलाज करा रहे हैं। लोग डेंगू के डर की वजह से वर्क फ्रॉम होम करने के लिए दूसरी सुरिक्षत स्थानों पर चले गए हैं। रिश्तेदारियों या पैतृक गांवों से अपना काम निपटा रहे हैं। पवन कुमार ने बताया कि कई घरों में तो हालात इतने खराब हो गए हैं कि परिवार के सारे सदस्य डेंगू की चपेट में आ गए हैं। इन घरों में बच्चों को खाना खिलाने, दूध पिलाने तक कोई नहीं बचा है। उन्होंने बताया कि डेंगू की वजह सेक्टर की नालियों में भरा गंदा पानी है। गंदे पानी की निकासी नहीं हो रही है। लार्वा और मच्छर मार दवा का छि?काव नहीं किया जा रहा है। फॉगिंग भी नहीं कराई जा रही है।

इस मामले को लेकर गौतमबुद्ध नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुनील शर्मा से बात करने की कोशिश की गई है। उन्होंने फोन नहीं उठाया है। दूसरी तरफ ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के हेल्थ डिपार्टमेंट का कहना है कि जल्दी टीम भेजकर समस्याओं का समाधान करवाया जाएगा।

- अर्ज है

जनाब ...

पुल गिरने पर सरकार व जांच एजेंसियों चुप!

जनाब- ए-आली

राजस्थान या बंगाल में थोड़ी गिरा है...!

इक मे मौनो! PRIYAGOLD

Breaking

>> नई दिल्ली: 6 राज्यों में 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव जारी, यूपी में भाजपा-सपा में मुकाबला, तेलंगाना में क्षेत्रीय दलों के सामने बीजेपी का टेस्ट >> नई दिल्ली: लाल किला हमला केस में सुप्रीम कोर्ट का फैसला, दोषी अशफाक की फांसी की सजा बरकरार >> नई दिल्ली: सीएम केजरीवाल कल गुजरात में, फेस का ऐलान करेंगे

घने कोहरे की चपेट में आई राजधानी

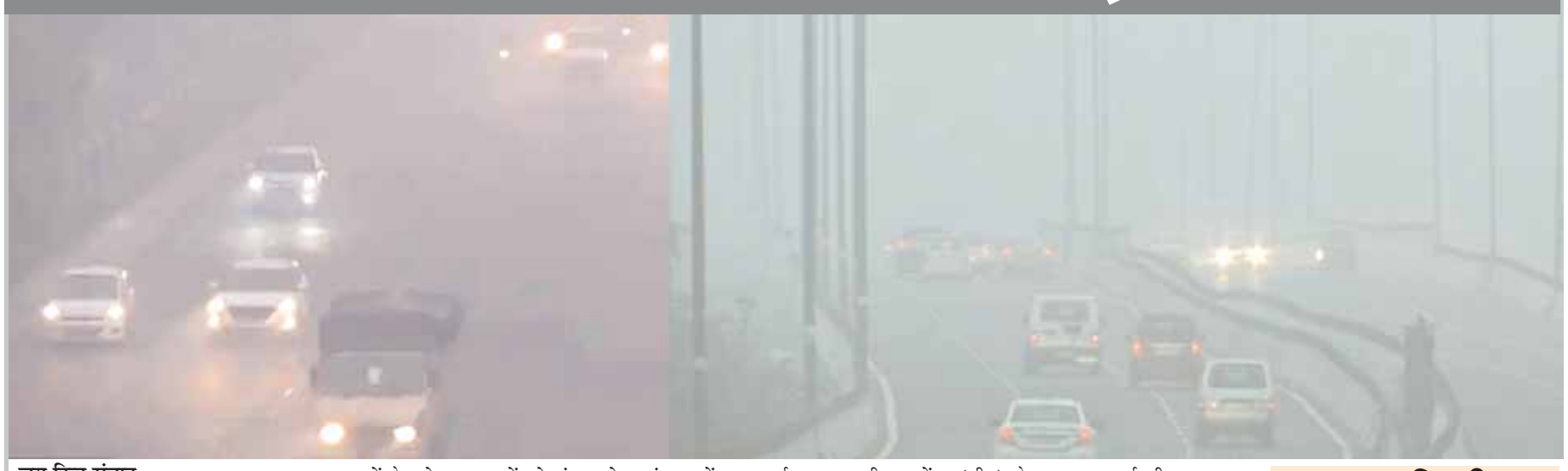

जय हिन्द संवाद

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की हवा जहरीली होती जा रही है। पिछले तीन दिन से फैले स्मॉग की चादर आज सुबह और घनी नजर आई। राजधानी का एयर क्वॉलिटी इंडेक्स गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। दिल्ली में सुबह 10 बजे तक एक्यूआई 418, यानी गंभीर श्रेणी में दर्ज किया है। साढ़े आठ बजे तक एक्यूआई 396, 8 बजे एक्यूआई 364 यानी बहुत खराब श्रेणी और सुबह 7 बजे एक्यूआई 408 गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। पेरेंट्स ने बिगड़ते हालातों के मद्देनजर स्कूलों को बंद करने की मांग की है।

नोएडा में गुरुवार को एक्यूआई 469 रहा। कई इलाकों में रियल टाइम एक्यूआई 500 के पार भी पहुंच गया। वहीं, गुरुग्राम की हवा भी बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। यहां एक्यूआई 318 दर्ज किया गया। गाजियाबाद का एक्यूआई 375 दर्ज किया गया। उत्तरी दिल्ली की एयर क्वालिटी सबसे खराब दर्ज की गई, क्योंकि क्षेत्र के लगभग सभी स्टेशनों में 400 के ऊपर एक्यूआई दर्ज किया गया।

आंनद विहार में एक्यूआई 449, मुंडका में एक्यूआई 422, वजीरपुर में एक्यूआई 434, नरेला में एक्यूआई 429, बवाना में एक्यूआई 447, अलीपुर में एक्यूआई 419, अशोक विहार में एक्यूआई 433, जहांगीरपुरी में एक्यूआई 455 और इंडिया गेट एक्यूआई 419 दर्ज किया गया है। वहीं, मध्य दिल्ली में मंदिर मार्ग जैसे कुछ स्टेशनों को छोड़कर राजधानी के अधिकांश स्टेशनों में एक्यूआई 300 से ऊपर है। आंकड़ों के अनुसार, मॉडल टाउन के धीरपुर में एक्यूआई 457 दर्ज किया गया है। इसके चलते लोग के बीमार होने की आंशका है। एक्यूआई एयरपोर्ट (टी3) के पास एक्यूआई भी आज 346 पर 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। बुधवार को इलाके में एक्यूआई 350 दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के बिगड़ने के साथ, दिल्ली के अधिकारियों ने अगले आदेश तक सभी निर्माण कार्य और विध्वंस गतिविधियों को रोक दिया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और पेरेंट्स ने दिल्ली सरकार से हवा की गुणवत्ता में सुधार होने तक स्कूलों को बंद करने का आग्रह किया है। इसके अलावा पराली जलाने पर भी रोग की मांग की जा रही है।

एयर क्वालिटी इंडेक्स के मानक

एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) को 0-50 के बीच 'बेहतर', 51-100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'सामान्य', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप की थर्ड स्टेज है लागू

दिल्ली-एनसीआर में पिछले कई दिनों से प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। ऐसे में कमीशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का तीसरा चरण लागू कर दिया है। इसके चलते प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले सारे कामों पर रोक लग गई है। जैसे दिल्ली-एनसीआर में कंस्ट्रक्शन और डिमोलिशन एक्टिविटी बंद हो जाएगी। सड़कों की सफाई होगी और रोज पानी की छिड़काव होगा।

आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ

दिल्ली में दमघोंटू हवा से लोगों को आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ हो रही है। डॉक्टर्स ने लोगों को सावधानी बरतने के लिए कहा है। अस्थमा के मरीजों को कई तरह की दिक्कतों हो सकती है। साथ ही सुबह शाम की सैर कम कर करने की सलाह दी है।

फेफड़ों के लिए जहर

हवा में मौजूद पार्टिकुलेट मैटर इंसान के फेफड़ों के लिए जहर से कम नहीं हैं। ये हवा में मौजूद ऐसे कण होते हैं, जिनका आकार 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम होता है। इनकी वजह से समय से पहले ही मौत भी हो सकती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, पीएम 2.5 हवा में 5 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से ज्यादा नहीं होना चाहिए, लेकिन पूरे देश में पार्टिकुलेट मैटर की मात्रा इससे ज्यादा है।

बागपत में 25 हजार के इनामी हिस्ट्रीशीटर की हत्या

बागपत। बागपत के तुगाना गांव के सिंडिकेट बैंक में लूट की घटना को अंजाम देने वाले कुख्यात बदमाश व 25 हजार के इनामी हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसका शव गांव के ही एक खाली मकान में पड़ा मिला। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए भेज दिया। जितेंद्र को तीन गोली लगी है। जिसमें से एक गोली सिर में व दो गोली सीने में मारी गई है। हालांकि अभी तक इस संबंध में कोई तहरीर नहीं आई है। पुलिस इस हत्याकांड के खुलासे में जुटी हुई है।

गांव के ही खाली मकान में पड़ा मिला शव

जितेंद्र (35)सूप गांव का रहने वाला था। बुधवार की देर रात लगभग 11 बजे उसका शव गांव के ही प्रवीण के खाली मकान में पड़ा। उसके सिर पर एक गोली व दो गोली सीने में लगी है। उसका शव किसी ग्रामीण

ने ही देखा तो पुलिस को सूचना दी। रमाला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया।

तीन साल पहले गांव का ही बैंक लूटा था

जितेंद्र ने 2 सितंबर 2019 में अपने तीनों साथियों के साथ मिलकर सिंडिकेट बैंक को लूटा था। उस समय जितेंद्र के हिस्से में 6.5 लाख रुपये आए थे।

एसपी ने किया था 25 हजार का इनाम घोषित

मृतक कुख्यात हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र पर हत्या, लूट, चोरी के 12 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। एसपी ने 25 हजार का इनाम घोषित किया हुआ था। पुलिस इसकी तलाश कई दिनों से कर रही थी।

छत से कूदने के चक्कर में पैर में हो गया था फ्रैक्चर

बैंक में लूट की घटना को अंजाम देने के बाद हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र को जब रमाला पुलिस गिरफ्तार करने गई थी। तो पुलिस को देख मकान की छत से कूदकर भागने के चक्कर में बदमाश घायल हो गया था। पुलिस ने उसे बड़ौत के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। साल 2019 में वह गिरफ्तार हुआ था। फिर एक साल बाद ही वह जेल से छूट गया था। इसके बाद से ही वह अपने गांव में रह रहा था।

चोरी का जेवर खरीदने में फंसे 3 ज्वैलर्स

मुरादाबाद। रामपुर में हुई एक चोरी का जेवर खरीदने के मामले में मुरादाबाद के तीन सर्राफा व्यापारी फंस गए हैं। रामपुर की सिविल लाइंस पुलिस ने बुधवार रात को मुरादाबाद में मंडी चौक में छापा मारा। हालांकि पुलिस के आने की भनक लगने पर 10 मिनट पहले ही ज्वैलर्स दुकान बंद करके भाग निकला। मंडी चौक सर्राफा बाजार में ज्वैलर्स के यहां पुलिस का छापा पडने से सर्राफा व्यापारियों में खलबली मच गई। दुकान बंद मिलने पर पुलिस ने ज्वैलर्स के मंडी बांस चौराहा गली में स्थित घर पर छापा मारा। लेकिन ज्वैलर्स घर पर भी नहीं मिला। इंस्पेक्टर सिविल लाइंस रामपुर ने बताया कि रामपुर में हुई एक चोरी का सामान ज्वैलर्स ने खरीदा था। जिसकी तलाश में पुलिस वहां गई थी।

चोरी का जेवर खरीदने के आरोपी तीन ज्वैलर्स में से दो मुरादाबाद सिटी के हैं जबकि एक दलपतपुर का है। सूत्रों का कहना है कि रामपुर में हुई चोरी की घटना का जेवर मुरादाबाद में तीन जगहों पर बिका था। पुलिस ने चोरों को पकडा तो उन्होंने मुरादाबाद में जेवर बेचे जाने की बात उगल दी।

बिजनौर में गंगा मेला की तैयारी पूरी

बिजनौर। बिजनौर गंगा किनारे लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। आज सवेरे जिले के आला अफसरों ने मेला स्थल पहुंचकर मेले की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मेले की सड़कें तैयार हो चुकी हैं। गंगा किनारे तंबुओं का शहर बस चुका है। दरअसल कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर बिजनौर शहर कोतवाली क्षेत्र के विदुर कुटी में हर साल गंगा स्नान मेले का आयोजन किया जाता है। इस मेले में 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए इस बार आने की संभावना है मेला बिजनौर जिला पंचायत द्वारा लगाया जाता है।

पिछले काफी दिनों से मेले की तैयारी बड़ी तेजी के साथ की जा रही है। अब यह तैयारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। मेले की सड़कें बन चुकी हैं। खंभे और स्ट्रीट लाइट लगा दी गई हैं, बाकायदा गंगा किनारे तंबुओं का शहर बसा दिया गया है।

सुरक्षा के लिहाज से मेला स्थल पर थाना भी खोल दिया गया है। वाच टावर बना दिए गए हैं। अब 5 नवंबर को मेले का विधिवत उद्घाटन का इंतजार है। इस बार 12 लाख वर्ग फुट में मेला लगने जा रहा है संभावित भीड़ को देखते हुए इस बार मेले का दायरा बढ़ाया गया है। मेले को सेक्टर में विभाजित करते हुए सड़के बनाई गई हैं, इस बार जिला पंचायत के अधिकारी मेले में कुश्ती प्रतियोगिता कराने की भी तैयारी कर रहे हैं जिसके लिए कुश्ती संघ से संपर्क किया जा रहा है।

मेले की सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस की नजर रहेगी। हुडदंगियों पर पुलिस लगातार कार्रवाई करेगी इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पीएसी के साथ-साथ पुलिस फोर्स तैनाती रहेगी मेले में वाहनों के लिए ट्रैफिक पुलिस का इंतजाम किया गया है।

यूपी में अबतक मिले चुके 6,757 डेंगू मरीज, नौ की हुई मौत

जय हिन्द संवाद

लखनऊ। यूपी में डेंगू के बढ़ रहे प्रकोप को देखते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर बनाने का निर्देश दिए। प्रदेश स्तर पर बने इस एक इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर की मदद से मरीजों के उपचार और स्वास्थ्य सुविधाओं की निगरानी की जाए।

जिलों में जरूरत के अनुसार मरीज बढ़ने पर मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) जिले में भी इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर बना सकेंगे। अस्पतालों से उपचार के बिना एक भी मरीज न लौटे। अगर मरीज वापस गया तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से बचाव के लिए इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर स्थापित कर उस पर काबू पाया गया।

अब उसी तरह डेंगू से बचाव के लिए कमांड सेंटर बनाकर उससे मुकाबला किया जाएगा। जोर दिया कि अस्पतालों में जीवन रक्षक दवाओं की कमी किसी भी कीमत पर न हो। दवाओं का पर्याप्त स्टाक अस्पतालों में उपलब्ध रहे। किसी भी मरीज को बाहर से दवाएं न लिखी जाएं। प्रदेश में जनवरी 2022 से लेकर अभी तक डेंगू के कुल 6,757 रोगी मिल चुके हैं और नौ मरीजों की मौत हुई है।

डेंगू से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दिया जाए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में डाक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए विस्तृत अध्ययन करे और समुचित इलाज के लिए डाक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बैठक में प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पार्थसारथी सेन शर्मा व महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डा. लिली सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रिंस मार्केट में चौथी मंजिल पर लगी भीषण आग

कोचिंग में फंसे बच्चे सुरक्षित निकाले गए

जय हिन्द संवाद

लखनऊ। हजरतगंज में प्रिंस कांप्लेक्स में चौथे तल पर गुरुवार सुबह एक दुकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। देखते-देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस बीच पड़ोस में कोचिंग चल रही थी। धुआं चौथे तल समेत कई अन्य तलों में फैल गया।

लोगों ने दमकल को सूचना दी। हजरतगंज, इंदिरानगर, चौक और आलमबाग से दमकल कर्मी गाड़ियां लेकर पहुंचे। इस बीच बच्चों को स्थानीय लोगों और पुलिस कर्मियों ने पीछे के रास्ते सुरक्षित निकाल लिया। दमकल कर्मियों ने करीब सात गाड़ियों की मदद से डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर अफसर हजरतगंज ने बताया कि आग से कोई हताहत नहीं हुआ है। समय रहते आग कंट्रोल में कर ली गई है। आग संभवतः शार्ट सर्किट के कारण लगी है।पुलिस का कहना है कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। टीम इन्वेस्टिगेशन कर रही है। आग पर कंट्रोल कर लिया गया है। शार्ट सर्किट से आग लगी है। मौके पर एसडीआरएफ की टीम पहुंची है। आसपास के लोगो का कहना है कि तीन साल पहले ये पुरानी मार्केट सील कर दी गई थी लेकिन कुछ समय बाद ही इसे खोल दिया गया। आग से दो दुकाने जली हैं। कोचिंग में जो बच्चे आए थे उन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया। कोचिंग सेंटर सुरक्षित है। वहां तक आग नहीं पहुंची है, कोचिंग केवल दो बच्चे पहुंचे थे। आग लगने की वजह से पूरे कांप्लेक्स में धुएं का गुबार उठ गया था। सुबह का समय होने की वजह से अभी दुकानें खुली नहीं थी।

ऐसी भी आशंका है कि मार्केट में अग्निशमन के कोई इंतजाम नहीं थे। पुरानी बिल्डिंग और बिजली के तारों का पूरा जाल फैला हुआ है। शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। अगर यह घटना सुबह नहीं होती और सारी दुकानें खुल गईं होती तो बड़ा हादसा हो जाता। जान माल को अधिक क्षति हुई होती।

पंजाब वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन की पत्नी की मौत, नोएडा एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक से टकराई थी कार

जय हिन्द संवाद

ग्रेटर नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर झट्टा के सामने तेज रफ्तार अमेज कार एक्सप्रेस-वे पर पंक्चर खड़े ट्रक से पीछे से जा टकराई। हादसे में पंजाब वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन जुनैद रजा खां की पत्नी सीमा खान की मौत हो गई। वह कार में सवार थीं इस भीषण हादसे में कार में सवार तीन अन्य लोग सिराज अहमद, जलील खान व अब्दुल घायल हो गए। अब्दुल कार चला रहे थे। सीमा नोएडा के सेक्टर-44 में रहती थीं। जलील व अब्दुल अलीगढ़ के रहने वाले हैं, जबकि सिराज भी नोएडा के सेक्टर 76 में रहते हैं।नालेज पार्क कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सभी कार सवार अलीगढ़ से नोएडा की तरफ आ रहे थे। एक्सप्रेस-वे पर एक ट्रक पंक्चर हो गया। चालक ने ट्रक को किनारे खड़ा कर रिफ्लेक्टर लगाया था जो कि कार चालक को नहीं दिखा। इसी वजह से कार पीछे से ट्रक में जा घुसी। बुधवार दोपहर एक बजे के करीब जब हादसा हुआ तो लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हुई।लोगों ने तीनों घायलों को फेलिक्स अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसे में जान गंवाने वाली सीमा खान अंग्रेजी की टीचर थीं। वह कोचिंग भी पढ़ाती थीं। वह अपने पिता से मिलने के लिए अलीगढ़ गई थीं। वहां से नोएडा लौट रही थीं। सीमा के पति जुनैद इन दिनों नैनीताल गए हुए थे। हादसे की जानकारी मिलते ही वह नोएडा लौट आए। जुनैद को कैप्टन अमरिंदर सिंह का करीबी माना जाता है।पुलिस जांच में पता चला है कि कार की रफ्तार 100 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। इसमें सीवा सवार होकर आई थी वह एक पूल टैक्सी है। सभी लोग अलग-अलग किराया देकर अलीगढ़ से नोएडा के लिए सवार हुए थे, जो कि एक दूसरे से पूर्व में परिचित नहीं थे।

सलमा से बेइंतहा मोहब्बत करता था युवक जबरन चाहता था दोस्ती, ना मानी तो मार डाला

जय हिन्द संवाद

नई दिल्ली। भारत नगर इलाके में फ्लैट में एक महिला की गोली मार हत्या कर दी गई। वारदात के समय महिला घर में अकेली थी। इस बाबत भारत नगर थाना पुलिस मुकदमा दर्ज कर हमलावर का सुराग पाने की कोशिश कर रही है। पुलिस को महिला के पूर्व प्रेमी पर शक है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार सलमा अपने पति से अलग होकर वजीरपुर जेजे कालोनी में फ्लैट में दो बच्चों के साथ रहती थीं। वह शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे फ्लैट के में मौजूद थीं। उनकी बड़ी बेटी स्कूल गई थी, जबकि छोटा बेटा घर के बाहर खेल रहा था। तभी हमलावर उनके फ्लैट में आया और छाती, हाथ आदि में तीन गोली मार दी और मौके से भाग गया।

गोली की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे तो वह लहुलुहान पड़ी थीं। सलमा को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच में पता चला है कि सलमा ने कुछ माह पूर्व एक युवक से दोस्ती तोड़ दी थी।

इधर कुछ दिनों वह दोबारा सलमा पर दोस्ती करने का दबाव बना रहा था। युवक की तलाश में पुलिस ने सदर बाजार स्थित उसके घर पर पहुंची तो पता चला कि वह कई दिनों से अपने घर नहीं आया है। युवक का अपनी पत्नी से तलाक का मुकदमा भी चल रहा है।

निजी आश्रय गृह से गायब उज्बेकिस्तान की लड़कियां डीसीडब्ल्यू ने पुलिस को भेजा समन

जय हिन्द संवाद

नई दिल्ली। तस्करी और जिस्म के कारोबार के लिए भारत लाई गई उज्बेकिस्तान की सात लड़कियों में से पांच के एक निजी आश्रय गृह से लापता होने के बाद दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस को समन जारी किया है। आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने बताया कि तस्कर लड़कियों को नेपाल के रास्ते दिल्ली लाए थे और उनके पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज भी छीन लिए थे। यहां पर उन्हें गलत काम के लिए मजबूर किया गया और जब उन्होंने इसका विरोध किया तो तस्करों द्वारा उन्हें धमकाया और पीटा गया। उनके साथ कई बार दुष्कर्म भी किया गया।

इस पर आयोग ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर एफआइआर भी दर्ज कराई थी। आयोग के मुताबिक तीन तस्करों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। वहीं, सात लड़कियों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाकर एक आश्रय गृह भेजा गया था। जहां पर वे बीते कुछ दिनों से रह रही थी।

किसानों पर हुए लाठीचार्ज का किया विरोध, मुकदमें वापस लेने की मांग

किसान संगठनों ने रसूलपुर में किया प्रदर्शन

जय हिन्द जनाब

दादरी। पुलिस की हिदायत के बावजूद विभिन्न किसान संगठनों के बैनर तले सैकड़ों किसानों ने एनटीपीसी दादरी पावर प्लांट पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में रसूलपुर में धरना प्रदर्शन किया। सभी ने लाठीचार्ज की निंदा कर किसानों पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग की। उन्होंने किसानों की रिहाई होने तक धरना जारी रखने का ऐलान किया।

एनटीपीसी दादरी के लिए हुए जमीन अधिग्रहण में समान मुआवजा, प्रभावित परिवार के सदस्य को स्थायी रोजगार, प्रभावित गांव के विकास को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों पर मंगलवार को पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इस मामले में एक दर्जन से अधिक किसानों को गिरफ्तार भी किया गया था। इसके बाद किसानों ने विधायक तेजपाल नागर के दादरी आवास पर धरना दिया था। रात नौ बजे तक धरने पर बैठने के बाद भी किसानों की विधायक से मुलाकात नहीं हो सकी थी।

इसके बाद किसानों ने बुधवार से फिर एनटीपीसी पर प्रदर्शन करने की बात कही थी। हालांकि, पुलिस ने सुबह से ही रसूलपुर, ऊंचा अमीरपुर, सीधीपुर आदि गांवों में फ्लैग मार्च कर लोगों को घर में रहने की हिदायत दी थी। इसके बावजूद सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और किसान रसूलपुर गांव के तिराहे पर पहुंच गए। गिरफ्तार किसानों की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसानों की बढ़ती संख्या को देखकर प्रशासन ने उन्हें शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के लिए रसूलपुर गांव में ही एक स्थान चिह्नित कर दिया। इसके बाद किसान वहीं प्रदर्शन करने लगे। यहां पहुंचकर कई किसान संगठनों ने किसानों का समर्थन किया। सभी ने गिरफ्तार किसानों की रिहाई और मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही।

किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता ललित राणा ने कहा गिरफ्तार किसानों को ससम्मान छोड़ा जाए अन्यथा एनटीपीसी के खिलाफ और भी बड़ा आन्दोलन चलाया जाएगा।

क्या कहते है क्षेत्रीय विधायक

क्षेत्रीय विधायक तेजपाल नागर ने बताया कि वह इस घटना से बुरी तरह आहत हैं तथा मुख्यमंत्री से मिलकर किसानों पर हुई लाठीचार्ज की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाएगी।

जारचा के थाना प्रभारी ज्ञान सिंह ने बताया कि सुखबीर खलीफा सहित एक दर्जन किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। जिनमें सुखबीर खलीफा के अलावा मोहित, उदल यादव, मनोज, विनीत राणा, संकित, विक्रम तोमर, सुमित तोमर, विनय, मनविंदर, पंकज राणा, जितेंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया जबकि 53 के खिलाफ नामजद और 500 अज्ञात खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

एनटीपीसी की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया : एनटीपीसी प्रबंधन

एनटीपीसी के जीएम एचआर शिवा प्रसाद ने ने इन सभी पर प्लांट की विद्युत सप्लाई प्रभावित करने, प्लांट में प्रवेश से रोकने पर सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट पथराव करने और बलवा करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। प्रबंधन का आरोप है कि किसानों ने अराजक होकर एनटीपीसी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और प्लांट की सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ के जवानों पर पथराव किया, जिसमें पुलिस और कई सुरक्षा जवान घायल हुए। इस बवाल से प्लांट में मौजूद सभी शिक्षण संस्थान बंद हैं। इससे टाउनशिप में भय का माहौल है।

किसानों की लड़ाई में साथ रहेगी आम आदमी पार्टी : भूपेन्द्र जादौन

जय हिन्द जनाब

नोएडा। आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह जादौन के नेतृत्व में रसूलपुर गाँव पहुँच पीड़ित किसानों से मुलाकात कर हालचाल जाना और धरना स्थल पर बैठे। किसानों को आम आदमी पार्टी ने समर्थन दिया है ।

जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह जादौन ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार जेल भेजे गये किसानों को रिहा करे, जिन किसानों के ऊपर मुकदमे दर्ज किए गए हैं उन्हें वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों पर लाठीचार्ज करने वाले संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। जादौन ने कहा किसानों की समान मुआवजे की मांग जायजा है, किन्तु देश और प्रदेश में चल रही सरकार जो किसानों, नौजवानों और महिला की आवाज को पुलिस के बल पर दबाने का काम कर रही हैं। आम आदमी पार्टी किसानों के साथ हुये अन्यायपूर्ण घटना के खिलाफ है। आम आदमी पार्टी किसानों के हकों की इस लड़ाई में हर स्तर पर उनके साथ है। इस दौरान जिला महासचिव राकेश अवाना, आप पंचायत प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मनोज यादव, रिंकू राणा, विनोद नागर प्रदेश सचिव व्यापार प्रकोष्ठ आदि मौजूद रहे।

किसानों पर लाठीचार्ज का सपाइयों ने किया विरोध

ग्रेटर नोएडा। एनटीपीसी पावर प्लांट पर अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे किसानों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज करने के विरोध में बुधवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल से किसानों को बिना शर्त रिहाई और लाठीचार्ज में घायल किसानों के ईलाज किये जाने कि समुचित व्यवस्था एवं लाठीचार्ज के दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कारवाई करने और आंदोलनकारी किसानों की मांग पूरी करने की मांग की। निवर्तमान जिलाध्यक्ष इन्दर प्रधान ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता के नशे में चूर होकर अन्नदाता पर अत्याचार कर रही है। राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि पुलिस द्वारा किसानों पर लाठीचार्ज करना असंवैधानिक है। निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष श्याम सिंह भाटी ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्वक धरना दे रहे किसानों पर लाठीचार्ज कर जेल भेजना दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। इस मौके पर गजराज चेयरमैन, नरेंद्र नागर, कृशांत भाटी, सुधीर तोमर, जगबीर नंबरदार, सुधीर भाटी, अतुल शर्मा, शैलेंद्र भाटी, नवीन भाटी, अमित रोनी, हैप्पी पंडित, सुभाष भाटी, मुकेश सिसोदिया, अनूप तिवारी, विनीत यादव, दीपक नागर, सतेंद्र नागर, नवनीत शर्मा, नीतीश भाटी, पवन जोगी, विशेष मुखिया, नन्हें सिद्दकी, राजवीर मावी, डॉ मनोज, जाकिर मुनिरी, शिव कुमार यादव, प्रमोद तिवारी आदि मौजूद रहे।

प्रदूषण फैलाने में पुलिस वैन भी पीछे नहीं

नोएडा। चिंगारी कोई भड़के तो सावन उसे बुझाएं, सावन जो अगन लगाए उसे कौन बुझाए। आम आदमी की गाड़ी प्रदूषण फैलाए तो उनका चालान काटा जाता है लेकिन चालान काटने वालो की गाड़ी अगर ऐसा करे तो उसका क्या करें। यह तस्वीर आज पूर्वाहन साढ़े ग्यारह बजे डीएम आवास की है।

(छाया : जय हिन्द जनाब)

कार बुक करके लूटने वाले 4 बदमाश गिरफ्तार

जय हिन्द जनाब

लूटी गई एक कार और 2 तमंचे और 2 कारतूस भी बरामद

दनकौर। कोतवाली पुलिस ने मंगलवार रात मुठभेढ़ के दौरान 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस की गोली लगने से 2 बदमाश घायल हो गए। जिनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई एक कार और 2 तमंचे और 2 कारतूस भी बरामद की है। पुलिस का कहना है कि जीजा-साले ने मिलकर गिरोह को बनाया था। पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों को कोर्ट में पेश करने के बाद बुधवार को जेल भेज दिया है।

एडिशनल डीसीपी ग्रेटर नोएडा विशाल पांडे ने बताया कि मंगलवार रात पता चला कि कुछ बदमाश क्षेत्र में किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। जिसके बाद पुलिस टीम बिजली घर के नजदीक चेकिंग करने लगी। उसी दौरान एक कार में सवार होकर 4 लोग गुजर रहे थे। जिनको पुलिस ने रुकने का इशारा किया। पुलिस का कहना है आरोपी कार को मौके पर छोड़कर भाग निकले। जिनका पीछा करना पुलिस ने शुरू कर दिया तो आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। इस दौरान पुलिस ने 3 बदमाशों को घेराबंदी करते हुए मौके से धर दबोचा। गोली लगने से घायल बदमाश की पहचान अनुज पुत्र जगत सिंह निवासी नवादा गांव, बबलू उर्फ देसी निवासी कनारसी और तीसरे अन्य आरोपी की पहचान नितिन उर्फ हनुमान निवासी हतेवा गांव कोतवाली दनकौर के रूप में हुई है।

महिला ने फंदा लगाकर दी जान

जय हिन्द जनाब

नोएडा। दिल्ली के मयूर विहार की रहने वाली 24 वर्षीय महिला संगीता ने मानसिक तनाव के चलते पंखे से फंदा लगा लिया। परिजनों ने उसे गंभीर अवस्था में सेक्टर 24 के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना सेक्टर 24 पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई दिल्ली पुलिस करेगी।

पति को जहर देने वाली महिला का मित्र भी गिरफ्तार

जय हिन्द जनाब

अपने मित्र रविंदर उर्फ कलुवा पुत्र बालक राम सैनी निवासी निवा ी

नोएडा। थाना ईकोटेक 3 पुलिस ने पति की हत्या के प्रयास में पत्नी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, अब उसके मित्र को गिरफ्तार किया है।

दोनों ने महिला के पति को खाने में जहर देकर हत्या करने का प्रयास किया था। थाना ईकोटेक 3 के थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि ज्ञानचंद नामक व्यक्ति को उसकी पत्नी सोनम सैनी ने गाजियाबाद के साथ मिलकर खाने में जहर देकर उसकी हत्या का प्रयास किया था।

उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत में सुधार है। पुलिस ने पहले ही आरोपी पत्नी सोनम को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अब उसके मित्र रविंदर उर्फ कलुआ को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविंदर के पास से घटना में प्रयोग की गई एक बाइक तथा 32 हजार रुपए बरामद किए हैं।

आदमपुर समेत पूरे हरियाणा में किसान झेल रहे डीएपी खाद की किल्लत : हुड्डा

जय हिन्द जनाब

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने खाद की किल्लत, रिकॉर्ड बेरोजगारी और सीईटी एग्जाम के लिए दूर-दूर सेंटर देने को लेकर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए हैं। हुड्डा का कहना है कि आज आदमपुर समेत पूरे हरियाणा में किसान डीएपी खाद की किल्लत झेल रहे हैं। आदमपुर मंडी में जिस वक्त मुख्यमंत्री की चुनावी रैली चल रही थी, उसी वक्त उनसे 50 मीटर दूर किसान खाद की कतारों में खड़े अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। हालात ऐसे हैं कि कई-कई दिनों कतारों में खड़े रहने के बाद भी किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है।

इसी तरह किसानों को धान, बाजरा और कपास की पेमेंट के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। सरकार के लाख दावों के बावजूद वह वक्त पर किसानों को भुगतान करने में नाकाम है। पिछले 3 साल से हर सीजन में मौसम की मार से खराब होने वाली फसलों का मुआवजा भी किसानों को नहीं मिला है। बेरोजगारी के मुद्दे पर बोलते हुए हुड्डा ने कहा कि एकबार फिर सीएमआईई के आंकड़ों ने सरकार को आईना दिखाया है। सरकार की नीतियों के चलते 31.8प्रतिशत बेरोजगारी दर के साथ हरियाणा पूरे देश में टॉप पर है। हर महीने जारी होने वाले बेरोजगारी के आंकड़ें हर बार यहीं कहानी बयां करते हैं। क्योंकि मौजूदा सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

उन्होंने कहा कि कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के लिए लंबे वक्त से इंतजार कर रहे युवाओं को सरकार ने प्रताड़ित करने का काम किया है। टेस्ट के लिए युवाओं को 150-200 किलोमीटर दूर सेंटर दिए गए हैं।

सरकार की नीतियों के चलते 31.8प्रतिशत दर के साथ एकबार फिर बेरोजगारी में हरियाणा टॉप पर : हुड्डा

हर बच्चे को दिलायें उच्चतर शिक्षा : राज्यपाल बंडारू

जय हिन्द जनाब

बच्चों व महिलाओं के विकास के लिए हरियाणा ने बजट में की 500 करोड़ रुपये की वृद्धि

सांसद रमेश कौशिक ने परिषद को 10 लाख रुपये की अनुदान राशि भेंट कर की घोषणा की

सोनीपत। हरियाणा दिवस की बधाई देते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने नई शिक्षा नीति की अनुपालना के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति आज की जरूरतों को पूरा करने वाली है, जिससे रोजगार के अवसरों के साथ नैतिक मूल्य और संस्कारों की स्थापना होगी। यह एक युग प्रवर्तक नीति है। इसे युवाओं की आधुनिक वैश्विक मांग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि आगामी 2030 तक यह शिक्षा नीति प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार के नए द्वार खोलेगी। राज्यपाल श्री दत्तात्रेय मंगलवार को हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के तत्वावधान में दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल (डीसीआरयूएसटी) में आयोजित राज्य स्तरीय हरियाणा दिवस समारोह में बोल रहे थे। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव श्रीमती रंजीता मेहता ने राज्यपाल सहित अन्य महानुभावों का स्वागत किया।

रंजीता मेहता ने परिषद की गतिविधियों से भी राज्यपाल सहित आए लोगों को अवगत करवाया। रंजीता मेहता ने कहा कि हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद एक राज्य स्तरीय है। राज्यपाल, संस्था के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री उपाध्यक्ष हैं। 1971 से बच्चों के कल्याण के लिए कार्यरत स्वयंसेवी संगठन है।

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद 22 जिलों के अपने नेटवर्क के माध्यम से बाल कल्याण गतिविधियां चला रही है। परिषदें, संबंधित उपायुक्त जिला परिषदों के अध्यक्ष होते हैं। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की स्थापना, गतिविधियों के समन्वय और मदद करने के उद्देश्य से हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद का गठन किया गया है। रंजीता मेहता ने कहा कि राज्य परिषद बाल भवनों और मिनी बाल भवनों और अन्य परियोजनाओं/योजनाओं के माध्यम से गैर-संस्थागत सेवाएं भी प्रदान कर रही है। राज्य परिषद भी अपने बाल देखभाल संस्थानों के माध्यम से अनाथों, उपेक्षित और निराश्रित बच्चों को संस्थागत सेवाएं प्रदान कर रही है।

राज्यपाल ने बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए उन्हें उच्चतर शिक्षा दिलाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बेहतरीन रोजगार के लिए उच्चतर शिक्षा हासिल करना जरूरी है। हर बच्चे को उच्चतर शिक्षा दिलानी चाहिए।

दैनिक जय हिन्द जनाब

बृहस्पतिवार, 03 नवम्बर 2022

खतरे की हवा

इसके समांतर इसकी वजहें भी सुर्खियों में रहती हैं और सरकारें इन पर काबू पाने के लिए काम करने का दावा करती हैं। लेकिन विचित्र यह है कि हर अगले साल फिर वैसे ही हालात का सामना करना पड़ता है और सरकारों की ओर से पुराने आश्वासन और दावे दोहराए जाते हैं।

यों हर दिवाली के बाद दिल्ली की हवा के बेहद प्रदूषित हो जाने की खबरें कोई नई नहीं हैं, इसलिए इस साल भी अगर यहां प्रदूषण से दम घुटने की खबर आने लगी है तो यह हैरानी की बात नहीं है। यह तब है जब दिवाली के दौरान पटाखे कम छोड़े जाने के बीच प्रदूषण का स्तर घटने की भी खबरें आईं। लेकिन अब एक बार फिर दिल्ली में स्थिति गंभीर होती दिखने लगी है। आमतौर पर जब हवा चलती है तब प्रदूषण के स्तर में कमी आती है, मगर इस बार पंजाब और आसपास के इलाकों में पराली जलाने के मामलों में बढ़ोतरी के साथ धीमी हवा की वजह से भी मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता कहीं 'बेहद खराब' तो कहीं 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई।

जाहिर है, यह उस अनदेखी का नतीजा है, जो कारण के रूप में मौजूद होती है, मगर उसे दूर करने या उस पर काबू पाने के लिए दिखावे की सक्रियताओं के अलावा शायद ही कुछ होता है। यही वजह है कि वायु की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में पहुंचने की वजह से मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में धुंध और धुएं की परत छाई रही और दृश्यता का स्तर भी कम रहा।

वायु गुणवत्ता पर नजर रखने वाली संस्था 'सफर' के मुताबिक बुधवार सुबह भी राजधानी और इसके आसपास सटे मुख्य शहरों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बेहद खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। गौरतलब है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक अगर तीन सौ एक से चार सौ के बीच हो तो उसे 'बहुत खराब' और चार सौ एक पांच सौ के बीच हो तो उसे 'गंभीर' माना जाता है। आंकड़ा इससे ऊपर पहुंचने पर सांस तक लेने में मुश्किल होने लगती है। राजधानी की हवा में जिस रफ्तार से गिरावट बढ़ रही है और आम लोगों को दिक्कत होने लगी है, उससे सरकार के स्तर से होने वाले प्रयासों की हकीकत का पता चलता है।

करीब एक महीने पहले इस समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने पंद्रह सूत्री शीतकालीन कार्ययोजना की घोषणा की थी, जिसमें कचरा जलाने, धूल और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लिए दल गठित करने के अलावा दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर धुएं और कोहरे को दूर करने वाले यंत्र लगाने की बात कही गई थी। इसके साथ ही शुरुआती तौर पर निर्माण कार्य रोकने जैसे कुछ कार्यों पर पाबंदी लगाने की घोषणा भी हुई। कहने को प्रदूषण ज्यादा बढ़ने पर दिल्ली में सड़क पर चलने वाले वाहनों को लेकर सम-विषम का नियम लागू किया जाता रहा है, ताकि वाहनों से निकलने वाले धुएं को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सके। लेकिन प्रदूषण को काबू में रखने की घोषणाओं के बरक्स हालत यह है कि पंजाब या अन्य इलाकों में पराली जलाने के मसले पर भी कोई ठोस पहलकदमी नहीं हो सकी है। बीते वर्षों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल यहां बड़े प्रदूषण के लिए पंजाब में पराली जलाए जाने को जिम्मेदार बताते थे। लेकिन अब जब पंजाब में भी आम आदमी पार्टी की सरकार है और तब भी यही समस्या बनी हुई है तो इसकी जिम्मेदारी किस पर आनी चाहिए!

बढ़ती भुखमरी और भोजन की बर्बादी

इससे सवाल उठता है कि मानव जिस सभ्यता की ऊंचाई पर है, क्या उसकी जड़ों को नहीं पहचान पा रहा है? दूसरा कि क्या मानव यह समझने में नाकाम है कि पृथ्वी एक सीमा के बाद भोजन देने में सक्षम नहीं है? गौरतलब है कि पृथ्वी दस अरब लोगों का ही पेट भर सकती है और अब दुनिया आठ अरब की आबादी के आसपास खड़ी है।

भारतीय संस्कृति में मान्यता है कि जहां अन्न का अपमान होता है वहां लक्ष्मी का वास नहीं होता। मगर अब लोग शायद इस बात को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। विकसित और विकासशील देशों में भोजन की बर्बादी का सिलसिला लगातार जारी है। इस मामले में चीन पहले और भारत दूसरे स्थान पर है। हैरत की बात है कि दुनिया में जहां तिरासी करोड़ से अधिक लोग भूखे सो जाते हैं, वहीं खाने की बर्बादी कई करोड़ टन रोज की दर से हो रही है। यूएनईपी की ताजा रिपोर्ट से पता चलता है कि चीन हर साल 9.6 करोड़ टन भोजन बर्बाद करता है और भारत 6.87 करोड़ टन।

मध्य गुजरात को लेकर सी वोटर का सर्वे- आप को झटका तो कांग्रेस को 10 से 14 सीटें, वहीं भाजपा का हाल देखिए

'अखंड साम्राज्य राजयोग' बनने से इन 3 राशि वालों की चमक सकती है किस्मत, ग्रहों के राजकुमार बुध की रहेगी विशेष कृपा

अमेरिका 1.93 करोड़ टन। 'यूएनईपी फूड इंडेक्स 2021' की रिपोर्ट के अनुसार 2019 में पूरी दुनिया में तिरानबे करोड़ टन से अधिक खाना बर्बाद हुआ। अब यह आंकड़ा और बड़ा हो चुका है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में उन्नीस करोड़ लोग रोजाना भूखे सो जाते हैं। यहां खाद्य उत्पाद का चालीस फीसद हिस्सा बर्बाद होता है। यानी सालाना बानबे हजार करोड़ रुपए का भोजन कूड़ेदान में चला जाता है। आश्चर्य की बात यह भी है कि ताजा भूख सूचकांक में भारत एक सौ एकवें से खिसक कर एक सौ सातवें स्थान पर चला गया है, जो भोजन की बर्बादी और भूख के बीच एक नई चिंता की ओर इशारा कर रहा है। भारत में भोजन की बर्बादी जागरूकता, संवेदनशीलता और भूख के प्रति चिंतन से ही रुक सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने प्रथम विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर 'कम खाओ, सही खाओ' मुहिम को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया और इस संकल्प पर जोर दिया कि एक भी दाना बर्बाद नहीं होना चाहिए। देश की शीर्ष अदालत ने दिशा-निर्देश दिया था कि सभी वैवाहिक स्थल, होटल, मोटल और फार्म हाउस में होने वाले शादी समारोहों में भोजन की बर्बादी को रोका जाना चाहिए।

इसमें कोई दुविधा नहीं कि मानव सभ्यता में अन्न का पहला और सबसे बड़ा योगदान है। यह सभ्य समाज के लिए बड़ी चुनौती है कि करोड़ों भूखे क्यों और कैसे सो रहे हैं। भोजन की बर्बादी से न केवल सरकार, बल्कि सामाजिक संगठन भी चिंतित हैं। बावजूद इसके यह सिलसिला थम नहीं रहा है। इस बात पर भी गौर करने की आवश्यकता है कि खाने की बर्बादी का मुख्य कारण क्या है। आमतौर पर बड़े देशों में ज्यादातर खाना खेत और बाजार के बीच होता है। भोजन का खराब भंडारण और संचालन, खराब पोषण, अपर्याप्त आधारभूत संरचना, घरों में खाने की बर्बादी, रखरखाव में लापरवाही, फलस्वरूप भोजन की खराबी और कूड़ेदान तक पहुंच स्वाभाविक हो जाती है।

यह अजीब है कि एक तरफ दुनिया भुखमरी का दंश झेल रही है, तो दूसरी तरफ करोड़ों टन अन्न बर्बाद हो रहा है। इससे सवाल उठता है कि मानव जिस सभ्यता की ऊंचाई पर है, क्या उसकी जड़ों को नहीं पहचान पा रहा है? दूसरा, कि क्या मानव यह समझने में नाकाम है कि पृथ्वी एक सीमा के बाद भोजन देने में सक्षम नहीं है? गौरतलब है कि पृथ्वी दस अरब लोगों का ही पेट भर सकती है और अब दुनिया आठ अरब की आबादी के आसपास खड़ी है। भोजन फेंकने की आदत पूरी दुनिया में एक अपसंस्कृति बन गई है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया भर में अपशिष्ट भोज्य पदार्थों की बर्बादी दोगुनी हो सकती है और यह बर्बादी इसी दर पर जारी रही तो 2030 तक दुनिया भर में भुखमरी उन्मूलन के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित लक्ष्य 'जीरो हंगर' का उद्देश्य हासिल करना मुश्किल होगा।

बड़े होटलों या पार्टियों में अतिरिक्त भोजन के साथ विभिन्न रूपों में खाद्य सामग्री परोसने की आदत के चलते बर्बादी में बढ़ोतरी हुई है। इस बात का समर्थन सभी करेंगे कि भोजन की बर्बादी न केवल सामाजिक और नैतिक अपराध, बल्कि अन्न के प्रति स्वयं का बिगड़ा हुआ अनुशासन है। यह न केवल भुखमरी को अवसर दे रहा है, बल्कि पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों को भी बड़ा रहा है। अध्ययन से पता चलता है कि थाली के जूठन से पर्यावरणीय दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। 'वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट आफ राकफेलर फाउंडेशन' द्वारा किए गए शोध के अनुसार भोजन की बर्बादी के चलते ग्रीन हाउस गैसों में आठ से दस फीसद तक की ब ़ितरी होती है। जाहिर है, ग्लोबल वार्मिंग के लिहाज से भी भोजन की बर्बादी एक समस्या बनी हुई है।

इतना ही नहीं, भोजन के सड़े-गले अवशेष से कई बीमारियां जन्म लेती हैं। आंकड़े बताते हैं कि अवशिष्ट भोजन से हर साल साढ़े चार गीगा टन कार्बन डाइआक्साइड का उत्सर्जन होता है। पेरिस जलवायु समझौते में दुनिया से दो डिग्री सेल्सियस तापमान घटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अगर भोजन की बर्बादी पर विराम लग जाए तो ग्रीन हाउस गैसों में न केवल कटौती होगी, बल्कि जलवायु परिवर्तन की समस्या के साथ-साथ भुखमरी की समस्या से भी कमोबेश निजात मिल सकती है।

एक अच्छी आदत से ही भोजन की बर्बादी को कम किया जा सकता है और यह अच्छी आदत बच्चों को बड़े सिखाएं और बड़े अन्न की कद्र करें तथा होटल और रेस्तरां में परोसी गई थाली की कीमत रुपए से आंकने के बजाय जरूरत और जीवन के आधार पर आंकी जाए, ताकि भोजन की बर्बादी रोकी जा सके। बर्बाद होते भोजन और इससे बढ़ती समस्या से पार पाने के मकसद से दुनिया के तमाम देशों में सरकारी नीतियां बनाई और जागरूकता पैदा करने के लिए कई सराहनीय पहल भी की जा रही हैं। गौरतलब है कि संसार के कई देशों में 2030 तक भोजन की बर्बादी को आधा करने का लक्ष्य बनाया है। इसमें सबसे पहला नाम आस्ट्रेलिया का है। आस्ट्रेलिया में एक व्यक्ति एक वर्ष में 102 किलोग्राम खाना बर्बाद करता है।

इसके चलते वहां की अर्थव्यवस्था पर हर साल बीस मिलियन डालर का नुकसान होता है। ऐसे में यहां अन्न की बर्बादी रोकने में जुड़ी संस्थाओं को सरकार प्रोत्साहन दे रही है और अच्छा-खासा निवेश कर रही है। नार्वे मानव विकास सूचकांक के मामले में शीर्ष देशों में शामिल है, जबकि वहां भी हर साल साढ़े तीन लाख टन भोजन कूड़ेदान में जाता है। यहां का एक नागरिक भी अड़सठ किलो भोजन बर्बाद कर देता है। इसने भी 2030 तक इस बर्बादी को आधा करने का नियोजन बनाया है। चीन भोजन बर्बादी के मामले में अव्वल है। अब वहां 'आपरेशन एंटी प्लेट' नीति के तहत थाली में खाना छोड़ने पर रेस्तरां में जुर्माना लगाया जा रहा है।

यूरोपीय देशों में फ्रांस दुनिया का पहला देश है, जिसने सुपर मार्केट को बिना बिका भोजन बाहर फेंकने पर साल 2016 में प्रतिबंधित कर दिया था। गौरतलब है कि फ्रांस और इटली जैसे देशों में ऐसे भोजन को दान देने पर जोर दिया जा रहा है। कुछ इसी तर्ज पर लंदन, स्टाकहोम, कोपेनहेगन, न्यूजीलैंड के आकलैंड और इटली के मिलान जैसे शहरों में अतिरिक्त भोजन को जरूरतमंदो के बीच बांटने का काम होता है। भारत में रोटी बैंक के माध्यम से भोजन को जरूरतमंदों के बीच बांटा जा रहा है। ऐसी संस्थाओं के प्रति लोगों की चेतना और जागरूकता बढ़नी चाहिए, ताकि बचे हुए भोजन को बर्बाद होने से पहले भूखे लोगों तक पहुंचाया जा सके। मगर विडंबना है कि देश गरीबी और भुखमरी की राह पर सरपट दौड़ रहा है और भोजन की बर्बादी के प्रति लोगों की संवेदनशीलता खत्म होती जा रही है।

धर्म-कर्म

सत्यव्रत मत्स्य अवतार

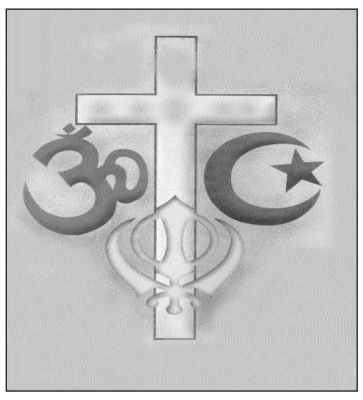

सतयुग के आरम्भ में सत्यव्रत नाम से एक विख्यात राजषि. हुए। राजा सत्यव्रत बड़े क्षमाशील, समस्त श्रेष्ठ गुणों से संपन्न और सुख-दु:ख को समान समझने वाले एक वीर पुरुष थे। वे पुत्र को राज्यभार सौंप कर स्वयं तपस्या करने वन में चले गए। एक दिन राजर्षि सत्यव्रत नदी में स्नान करके तपज़्ण कर रहे थे। इतने में ही जल के साथ एक छोटी सी मछली उनके अंजलि में आ गयी। राजा ने जल के साथ ही उसे फिर से नदी में डाल दिया। तब उस मछली ने बड़ी करुणा के साथ राजा से कहा ङ्क राजन ! मेरी रक्षा कीजिये। आप जानते ही हैं कि जल में रहने वाले बड़े जीव अपने से छोटे जीवों को खा जाते हैं फिर आप मुझे इस जल में क्यों छोड़ रहे हैं ? राजा सत्यव्रत ने उस मछली की अत्यंत दीनतापूणज़ वाणी सुनकर उसे अपने कमंडल में रख लिया और आश्रम ले आये। एक ही रात में वह मछली इतनी बढ़ गयी कि कमंडल में उसके रहने के लिए स्थान ही नहीं बचा। तब वह राजा से बोली राजन ! अब तो कमंडल में मेरा निवाज़्ह नहीं हो सकता, अत: मेरे लिए कोई बड़ा सा स्थान ठीक कीजिये। तब राजषिज़् सत्यव्रत ने उस मछली को कमंडल से निकाल कर एक पानी के मटके में रख दिया। पर दो घड़ी में ही वह वहाँ भी बढ़कर तीन हाथ की हो गयी।

फिर उसने राजा से कहा राजन ! यह मटका भी अब मेरे लिए पयाज़्त नहीं है, अत: मुझे सुखपूर्वक रहने के लिए कोई दूसरा बड़ा सा स्थान दीजिये। राजा सत्यव्रत ने उस मछली को वहाँ से उठा कर एक बड़े सरोवर में डाल दिया पर कुछ ही समय में उस मछली ने उस सरोवर के जल को भी घेर लिया। तब हारकर राजा ने उसे समुद्र में डाल दिया। समुद्र में छोड़े जाते समय उस लीला मत्स्य ने कहा राजन ! समुद्र में बहुत से विशालकाय प्राणी रहते हैं, वे मुझे निगल जायेंगे, अत: आप मुझे समुद्र में मत डालिये। मत्स्य रूपधारी भगवान की बात सुनकर राजा सत्यव्रत की बुद्धि भ्रमित हो गयी। तब उन्होंने पुछा मुझे मत्स्य रूप से मोहित करने वाले आप कौन हैं ?आपने कुछ ही दिनों में अपने आकार से एक विशाल सरोवर को आच्छादित कर लिया। ऐसा पराक्रमी जीव मैंने आज तक न देखा है, ना ही सुना है। निश्चय ही आप साक्षात् सवज़्शक्तिमान सवज़्व्यापी श्रीहरि हैं। हे पुरुषश्रेष्ठ, आपको नमस्कार है। कृपा करके यह बताएँ कि आपने यह मत्स्य रूप किस उद्देश्य से धारण किया है ? राजा के इस प्रकार पूछने पर मत्स्य भगवान बोले शत्रुसूदन ! आज से सातवें दिन तीनों लोक प्रलय समुद्र में निमग्न हो जायेंगे। उस समय प्रलयकाल की जलराशि में त्रिलोकी के डूब जाने पर मेरी प्रेरणा से तुम्हारे पास एक विशाल नौका आएगी। तब तुम समस्त औषधियों, छोटे बड़े सभी प्रकार के बीजों और प्राणियों के सूक्ष्म शरीरों को लेकर सप्तषिज़्यों के साथ उस बड़ी नाव पर चढ़ जाना और निश्चिंत होकर उस जल में विचरण करना। उस समय प्रकाश नहीं रहेगा, केवल ऋषियों के दिव्य तेज का ही सहारा रहेगा। जब झंझावात के प्रचंड वेग से नाव डगमगाने लगेगी, उस समय मैं इसी रूप में तुम्हारे पास आऊँगा। तब तुम वासुकि नाग के द्वारा उस नाव को मेरे सींग में बांध देना।

अब प्राकृतिक खेती ही विकल्प

जिन कीटनाशकों को अमेरिका और अन्य विकसित देशों में प्रतिबंधित किया जा चुका है, उन्हें भारत में धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। जबकि इसे लेकर पर्यावरण और कृषि से जुड़ी तमाम संस्थाएं सरकारों को इसके गलत असर के बारे में आगाह कर चुकी हैं।

वैज्ञानिकों का साफ मानना है कि दुनियाभर में बढ़ते पर्यावरण संकट को कम करने में जैविक या प्राकृतिक खेती एक उपचारक की भूमिका निभा सकती है। गौरतलब है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में प्राकृतिक खेती बड़े पैमाने पर अपनाई जा रही है। धीरे-धीरे दक्षिण, मध्य भारत और उत्तर भारत में भी यह किसानों में लोकप्रिय हो रही है। केंद्र सरकार भी इसे बढ़ावा देने में लगी है। लेकिन जिस गति से इसे बढ़ना चाहिए, उस गति से इसे बढ़ाने में कामयाबी मिल नहीं रही है। इसके लिए और भी ठोस प्रयास करने की जरूरत है। कुछ सालों से केंद्र सरकार ने नीम परत वाली यूरिया को बढ़ावा देने के लिए तमाम कवायदें शुरू की हैं। इसकी खूबी को लेकर केंद्र सरकार प्रचार भी खूब करती रही है। पर नीम यूरिया से क्या खाद्यान्नों में बढ़ रहे जहरीले तत्त्वों में कमी आई है?गौरतलब है भारत में रासायनिक खाद कारखानों में नीम की परत वाली यूरिया बनाई जा रही है, लेकिन फिर भी रासायनिक खादों के इस्तेमाल में कोई खास कमी नहीं आई है, बल्कि रासायनिक खादें पहले से ज्यादा महंगी हुई हैं। गौरतलब है कि जैविक या प्राकृतिक खेती की तरफ भारतीय किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। लेकिन केंद्र और राज्य सरकारों ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए वे सुविधाएं मुहैया नहीं कराई हैं जिससे किसानों को जैविक खेती करने में सहूलियत होती। इसके बावजूद जैविक खेती आम किसानों की पसंद बनती जा रही है।

यदि केंद्र और राज्य सरकारें बीज, जैविक खाद, पानी, किसानी के यंत्र और बिजली की किल्लत को दूर कर दें तो किसान जैविक खेती को अपनी पहली पसंद बनाने में शायद न हिचकें।

प्राकृतिक खेती को लेकर अनुसंधान भी काफी हो रहे हैं। किसान नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। इससे कृषि वैज्ञानिक भी प्राकृतिक खेती को लेकर अधिक उत्साहित हैं। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि जैविक या प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने से पर्यावरण, खाद्यान्न, भूमि, इंसान की सेहत, पानी की शुद्धता को और बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

आमतौर पर कृषि व बागवानी में बेहतर उपज लेने और बीमारियों के खात्मा के लिए फसलों में कीटनाशकों का इस्तेमाल जरूरी माना जाता है। लेकिन देशी तरीके से की जाने वाली खेती और बागवानी ने इस धारणा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ये कीटनाशक बेहतर उपज के लिए या बीमारियों को खत्म करने के लिए भले जरूरी माने जा रहे हों, लेकिन इससे कई तरह की समस्याएं और जटिलताएं पैदा हो गई हैं। ये बीमारियों की वजह बन गए हैं।

गौरतलब है कि रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से होने वाली बीमारियों और समस्याओं की जानकारी न होने की वजह से किसान इनका इस्तेमाल काफी ज्यादा करने लगे हैं। इसका असर यह हुआ है कि ऐसी उपज का इस्तेमाल करने भी गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। बावजूद इसके किसान इनके इस्तेमाल से छुटकारा नहीं पा रहा है।

केंद्र और राज्य सरकारों के कृषि विभाग कीटनाशकों के इस्तेमाल को जरूरी मानते हैं। जब से देश में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का दबदबा बढ़ा है तब से खेती और बागवानी के लिए कीटनाशकों की विदेशी दवाएं ज्यादा इस्तेमाल होने लगी हैं। इसकी वजह से किसान और उसका परिवार ज्यादा मुश्किलों में घिर गया है। वहीं दूसरी तरफ प्राकृतिक खेती से सिक्किम में जिस गति से पर्यावरण को मदद मिली है, उससे यह साफ हो गया है कि यदि भारत का प्रत्येक किसान प्राकृतिक खेती को अपना ले तो भारतीय समाज की कई समस्याओं का समाधान हो सकता है।

गौरतलब है कि कृषि वैज्ञानिक वर्षों से कीटनाशकों के इस्तेमाल से होने वाली समस्याओं के प्रति आगाह करते आ रहे हैं। लेकिन न तो इस पर केंद्र सरकार गौर कर रही है, न ही राज्य सरकारें। इसका नतीजा यह रहा है कि कीटनाशकों के इस्तेमाल से होने वाली तमाम गंभीर बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। कीटनाशकों में सबसे ज्यादा इस्तेमाल एंडोसल्फान का किया जाता है।इसका छिड़काव सिर्फ फसलों पर ही नहीं, सब्जियों और फलों पर भी किया जाता है। पर्यावरणविदों के मुताबिक कीटनाशकों के इस्तेमाल से पर्यावरण पर जबर्दस्त असर पड़ रहा है।

बात ज्ञान की

रसूलुल्लाह (स.अ.व) ने इर्शाद फ़रमाया- जो शख्स इस बात को पसन्द करता है कि वह अल्लाह तदीन इस्लाम की प्यारी बातेंआला और उसके रसूल से मुहब्बत करे या अल्लाह तआला और उसके रसूल उससे मुहब्बत करें तो उसे चाहिए कि जब बात करे तो सच बोले, जब कोई अमानत उसके पास रखवाई जाए, तो उसको अदा करे।

मजहब-ए-इस्लाम

जकात क्या है? और किसको देनी चाहिये ?

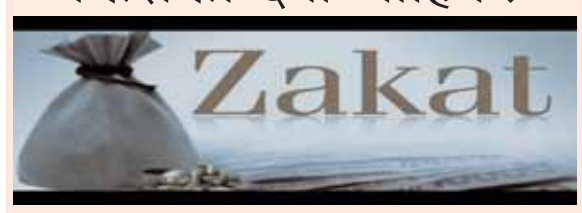

रमज़ान के अशरे में सब मुसलमान अपनी साल भर की कमाई की ज़कात निकालते है। तो ज़कात क्या है ?

*कुरआन मजीद में अल्लाह ने फ़र्माया है = ज़कात तुम्हारी कमाई में गरीबों और मिस्कीनों का हक है।

और ज़कात किसे देनी चाहिए इसपर हम इस पोस्ट में मुखतसर सा बयांन करने की कोशिश कर रहे है.

अल्लाह के लिये माल का एक हिस्सा जो शरियत ने तय किया उसका मुसलमान फकीर (जरूरतमंद) को मालिक बना देना शरीयत में ज़कात कहलाता है'

ज़कात किसको दी जाये ?

ज़कात निकालने के बाद सबसे बडा जो मसला आता है वो है कि ज़कात किसको दी जाये ?

ज़कात देते वक्त इस चीज़ का ख्याल रखें की ज़कात उसको ही मिलनी चाहिये जिसको उसकी सबसे ज़्यादा ज़रुरत होज्वो शख्स जिसकी आमदनी कम हो और उसका खर्चा ज़्यादा हो। अल्लाह ने इसके लिये कुछ पैमाने और औहदे तय किये है जिसके हिसाब से आपको अपनी ज़कात देनी चाहिये। इनके अलावा और जगहें भी बतायी गयी है जहां आप ज़कात के पैसे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

पांचवा नंबर आता है कर्ज़दारों का

छठां नंबर आता है अल्लाह की राह में

और आखिर में मुसाफ़िर की मद

सबसे पहले ज़कात का हकदार है = फ़कीर

फ़कीर कौन है? ङ्क फ़कीर वो शख्स है मानो जिसकी आमदनी 10,000/- रुपये सालाना है और उसका खर्च 21,000/- रुपये सालाना है यानि वो शख्स जिसकी आमदनी अपने कुल खर्च से आधी से भी कम है तो इस शख्स की आप ज़कात 11,000/- रुपये से मदद कर सकते है।

दुसरा नंबर आता है मिस्कीन का

मिस्कीन कौन है? मिस्कीन वो शख्स है जो फ़कीर से थोडा अमीर है। ये वो शख्स है मानो जिसकी आमदनी 10,000/- रुपये सालाना है और उसका खर्च 15,000/- सालाना है यानि वो शख्स जिसकी आमदनी अपने कुल खर्च से आधी से ज़्यादा है तो आप इस शख्स की आप ज़कात के 5,000/- रुपये से उसकी मदद कर सकते है।

बच्चों की कहानी

शेर और भालू

एक जंगल था और उसमें एक शेर रहता था। वो शेर बहुत ही चालाक था। वो अलग अलग तरह के जानवरों को अपना दोस्त बनाता और बाद में उनका फायदा उठाता। ऐसा नहीं है कि वह उनका शिकार कर लेता। बस वह अपने मित्रो से अपना काम निकलवाता है कभी भी उनकी सहायता नहीं करता । उस इस बात की बिल्कुल भी परवाह नहीं होती थी कि उसके मित्र उस क्या कहेंगे या उन्हें शेर कि हरकत से कितना दुख होगा। इसी लिए जब भी कोई जानवर शेर का दोस्त बनता तो वो ज़्यादा दिन तक उसके साथ नहीं रहता था। कुछ ही समय में के उसके बारे में जान जाते और इसे उसे छोड़कर भाग जाते। इसी तरह से कुछ समय बीता और एक दिन एक बूढ़ा भालू उस शेर को गुफा के पास आया। भालू वहीं अपना घर बनाकर रहने लगा। शेर सोचने लगा कि क्यों न इस भालू को भी अपना मित्र बनाया जाए। लेकिन पहले यह पता करना होगा कि ये भालू किस तरह उसके काम आ सकता है। अब शेर भालू पर नजर रखने लगा। लेकिन जब उसे लगा

कि यह भालू तो बूढ़ा हो चुका है और उसके किसी काम नहीं आ सकता तो वो थोड़ा निराश हो गया। एक दिन शेर दोपहर में सो रहा था तभी उसकी आंख खुली। उसने भालू को किसी से बात करते सुना। शेर गुफा के आगे बढ़कर कान लगाकर सुनने लगा। शेर ने देखा कि भालू एक चिड़िया से बात कर रहा है। चिड़िया ने भालू से पूछा कि अब तो वो बूढ़ा हो चुका है। अब वो कैसे अपना भोजन प्राप्त करता है। भालू ने बताया कि अब वो मछलियों का शिकार नहीं कर पाता लेकिन अभी भी उसके पास एक रास्ता है। भालू ने चिड़िया से बताया कि वो जंगल में मधुमक्खियों के छत्ते से शहद निकाल कर खाता है और वो शहर बहुत ही स्वादिष्ट होता है। भालू ने चिड़िया से कहा कि अगर वो चाहे तो किसी दिन भालू के साथ शहद खाने चल सकती है। चिड़िया बोली मै तो दाना कहती हूं। शहद मेरा भोजन नहीं है। इसी तरह चिड़िया कुछ देर तक भालू से बात करती रही और फिर वहा से चली आई। अब शेर सोचने लगा कि आजतक उसने कभी भी शहद नहीं खाया है। अब यही मौका है उस जीवन में शहद का स्वाद लेने का। शेर भालू से दोस्ती बढ़ाने के बारे में सोचने लगा। वो सोचने लगा कि अगर वो भालू से सीधे जाकर मित्रता करेगा तो हो सकता है कि भालू उसकी चाल को समझ जाए। इसी लिए उसने सब कुछ धीरे धीरे करने के फैसला किया। एक दिन शेर भालू के पास गया और बोला कि अरे तुम तो वहीं भालू जो ना को नदी के किनारे घर बनाकर रहते थे। जब मै छोटा था तब मै भटक कर नदी के किनारे पहुंच गया था। और तुमने मुझे मछलियां खिलाई थी। उस समय तुम जवान थे। भालू ने सोचा कि हो सकता है यह शेर सही कह रहा हो। इतने समय की बात वो भूल गया हो। तभी शेर ने कहा कि अच्छा मै चलता हूं। अगर तुम्हे किसी भी चीज कि ज़रूरत हो तो मुझे याद करना। इतना कह कर शेर गुफा में चला गया।अब भालू शेर में बारे में सोचने लगा। उसने सोचा चलो कोई तो साथ में रहने वाला मिला। इसी तरह शेर ने धीरे धीरे भालू से दोस्ती बढ़ानी शुरू कर दिया।

विधवा बन सरकारी सुविधाओं का लाभ ले रही शादीशुदा महिला

रोकी गई पेंशन, अन्य सुविधाएं

जय हिन्द संवाद

पूरनपुर। शादीशुदा होने के बाद भी एक महिला विधवा बनकर प्रशासन की आँख में धूल झोंकर तमाम सरकारी सुविधाएं ले रही थी, जांच हुई तो मामला सामने आया. जिला प्रशासन ने तत्काल विधवा पेंशन निरस्त कर दी। इसके अलावा सरकारी आवास, शौचालय, मुफ्त राशन व अन्य प्राप्त कर चुकी सुविधाओं की भी ब्लॉक अधिकारीयों द्वारा पड़ताल की जा रही है। मामला पूरनपुर के गांव तकिया दीनारपुर का है, सोमवती देवी नाम की महिला का पति कई वर्ष पहले मर चूका था, उसके बाद महिला ने अपने सगे भांजे दीप सिंह से व्याह कर लिया, लेकिन खुद को विधवा घोषित किया हुआ था. विधवा बनकर पेंशन व अन्य सरकारी सुविधाएं ले रही थी, महिला आदतन खुराफाती है।

झूठे बलात्कार के मुकदमे लगाकर ब्लैकमेल भी करती है. अभी कुछ माह पहले भी उसने जमीन विवाद में एक छात्र पर झूठा रेप का मुकदमा कोर्ट के जरिए लिखवाया था, जो पुलिस जांच में फर्जी साबित हुआ.महिला पर पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं.

मालूम हो, सोमवती ने जितनी भी सुविधाएं फर्जी विधवा बनकर अभी तक ली हैं उन सभी की जांच जिला प्रशासन द्वारा की जा रही हैं।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

जय हिन्द संवाद

नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र के चिपयाना के पास रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का शव मिला है। मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस और थाना पुलिस ने उसकी पहचान कराने का प्रयास किया ।

लेकिन खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी। मृतक की उम्र 40 वर्ष बताई गई है। जबकि उसके हल्की दाड़ी है, और उसकी जेब से कोसीकला एवं नई दिल्ली के प्लेटफार्म का टिकट मिला है।

बिसरख के थाना प्रभारी उमेश बहादुर सिंह ने बताया कि बुधवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि चिपयाना के पास रेलवे ट्रैक पर

■ मृतक की उम्र 40 वर्ष के करीब बताई गई

एक 40 वर्षीय व्यक्ति का शव रेलवे ट्रैक पर मिला है। मौके पर पहुंची जीआरपी और थाना पुलिस में आसपास के लोगों से उसकी पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। मृतक की उम्र 40 वर्ष के करीब बताई गई है, तथा उसके हल्की-हल्की दाढ़ी है और सफेद बाल हैं तथा जेब से कोसीकला एवं नई दिल्ली प्लेटफार्म का टिकट मिला है। पुलिस मृतक की पहचान में जुटी हुई है। तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गुजरात चुनाव की तारीखों का थोड़ी देर में एलान, 4.9 करोड़ मतदाता डालेंगे वोट

नई दिल्ली। गुजरात चुनाव में इस बार इस बार 4.9 करोड़ मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया, इस बार 3.24 लाख मतदाताओं को पहली बार मतदान का मौका मिलेगा।

3.24 लाख मतदाता पहली बार डालेंगे वोट

गुजरात चुनाव में 3.24 लाख मतदाताओं को पहली बार मतदान का मौका मिलेगा। यह बात चुनाव आयोग की प्रेसवार्ता के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताई।

दिव्यांगों के लिए 182 पोलिंग स्टेशन

गुजरात चुनाव में दिव्यागों का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि गुजरात चुनाव में दिव्यागों के लिए 182 पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे।

चुनाव आयोग के प्रमुख ने बताया कि गुजरात चुनाव में इस बार 4.9 करोड़ मतदाता हैं। कुल पोलिंग स्टेशन की संख्या 51 हजार से ज्यादा है।

त्रिकोणीय हो सकता है मुकाबला

पिछले 24 साल से गुजरात की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी ही काबिज है, लेकिन इस बार समीकरण बदले नजर आएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि दिल्ली और पंजाब जीतने के बाद आम आदमी पार्टी ने गुजरात में भी पूरी

ताकत लगा दी है। ऐसे में मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है।

पिछली बार कब हुए थे चुनाव?

गुजरात में पिछली बार दो चरणों में चुनाव हुए थे। 25 अक्टूबर 2017 को चुनाव तारीखों का एलान हुआ। पहले चरण के लिए 14 नवंबर को अधिसूचना जारी हुई थी और दूसरे चरण के लिए 20 नवंबर को। पहले चरण का चुनाव नौ दिसंबर 2017 और दूसरे चरण का चुनाव 14 दिसंबर को नतीजे आए थे। पहले चरण में 89 और दूसरे चरण में 93 सीटों पर वोटिंग हुई थी।

गुजरात चुनाव की तारीखों का थोड़ी देर में एलान, 4.9 करोड़ मतदाता डालेंगे वोट

गुजरात विधानसभा चुनावों का आज एलान होगा। आज दोपहर 12 बजे चुनाव आयोग प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। इसी कॉन्फ्रेंस में गुजरात चुनाव की तारीखों की जानकारी दी जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुजरात में चुनाव दो चरणों में हो सकता है। दिसंबर को पहले सप्ताह में वोटिंग कराई जा सकती है।

चुनाव आयोग ने 2017 में अपनाई गई परंपरा का हवाला देते हुए पिछले महीने हिमाचल प्रदेश चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ गुजरात चुनाव कार्यक्रम के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। हिमाचल प्रदेश में एक ही चरण में 12 नवंबर को चुनाव होंगे और मतगणना आठ दिसंबर को की जाएगी।

सरकारी मैडीकल कालेजों को सभी अस्पतालों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनाने के निर्देश

चंडीगढ़। स्वास्थ्य और मैडीकल शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने बुधवार को चारों सरकारी मैडीकल कालेजों को सभी अस्पतालों में जरूरी दवाओं की उपलब्धता में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

पटियाला, अमृतसर, फरीदकोट और मोहाली के चार सरकारी मैडीकल कालेजों के अलग-अलग प्रोजेक्टों, विकास कामों और लम्बित पड़ीं माँगों का जायजा लेने के लिए आज यहाँ एक उच्च स्तरीय मीटिंग की अध्यक्षता करते हुये कैबिनेट मंत्री ने उक्त संस्थाओं को सभी अस्पतालों में जरूरी दवाओं की उपलब्धता को तेजी से यकीनी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कोविड के दौरान अपनी जान दांव पर लगा कर लोगों को सेवाएं प्रदान करने वाले अलग-अलग कोविड योद्धों को एडजस्ट करने के लिए विभाग की तरफ से किये जा रहे यत्नों का भी जायजा लिया।

उन्होंने अस्पतालों को हिदायत की कि मरीजों और विद्यार्थियों के लिए संस्थाओं में सहूलतों को

अपग्रेड करने के लिए एक विस्तृत मास्टर प्लान तैयार किया जाये। उन्होंने किसी भी बकाया सेवा नियमों को सुधारने और ड्राफ्ट करने के लिए समयबद्ध कार्यवाही पर जोर दिया। उन्होंने डायरैक्टोरेट को सीधे कोटे के अलग- अलग पदों के लिए समय पर इश्तिहार देने को यकीनी बनाने के लिए भी कहा।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि कामकाज को और सुचारू बनाने और अफसरशाही को रोकने के लिए संस्थाओं के मुखियों के साथ शकित्यों को बढ़ाने का फैसला किया गया है। उन्होंने विभाग को माहिर और प्रतिभाशाली डाक्टरों को आकर्षित करने के लिए सुपरस्पैशलिस्टों को उत्साहित करने सम्बन्धी प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा। उन्होंने किये जा रहे कामों की सराहना की और साथ ही इस बात पर जोर दिया कि मरीजों को बेहतर सहूलतें उपलब्ध कराने के लिए और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है।

इस मीटिंग में अलकनन्दा दयाल, सचिव मैडीकल शिक्षा और अनुसंधान, डॉ. अवनीश कुमार, डायरैक्टर स्वास्थ्य विभाग और चारों सरकारी मैडीकल कालेजों के प्रिंसिपल और मैडीकल सुपरडैंट मौजूद थे।

चीफ जस्टिस ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के 10 अतिरिक्त जजों को शपथ दिलायी

जय हिन्द संवाद

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस क्ष रवि शंकर झा ने आज पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के 10 नये अतिरिक्त जजों को एक सादे और परिभावशाली समागम के दौरान पद की शपथ दिलायी।

हाई कोर्ट के प्रवक्ता ने बताया कि आज जिनको शपथ दिलायी गई उनमें अतिरिक्त जज श्री कुलदीप तिवारी, श्री गुरबीर सिंह, श्री दीपक गुप्ता, श्रीमती अमरजोत भट्टी, श्रीमती रितु टैगोर, श्रीमती मनीषा बत्रा, मिस हरप्रीत कौर जीवन, श्रीमती सुखविन्दर कौर, श्री संजीव बेरी और श्री विक्रम अग्रवाल शामिल हैं। इस मौके पर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के जज और वकील भी शामिल थे। प्रवक्ता ने बताया कि अब पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के जजों की संख्या 56 से बढ़ कर 66 हो गई है।

स्मार्टफोन के बाद अब नंबरदारों को जल्द मिलेगा आयुष्मान भारत योजना का भी लाभ : दुष्यंत चौटाला

जय हिन्द संवाद

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के नम्बरदारों को मोबाइल फोन का तोहफा देने के बाद उनको आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कवर करने की भी तैयारी कर ली है। इस संबंध में हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बुधवार को अधिकारियों को जल्द से जल्द एमओयू कर आगे की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डिप्टी सीएम यहां राजस्व एवं 'आयुष्मान भारत हरियाणा हेल्थ प्रोटेक्शन अथॉरिटी' के अधिकारियों की मीटिंग की अध्यक्षता कर रहे थे।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रशासन और आमजन के बीच नंबरदार सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि नंबरदारों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने पहले अपनी घोषणा के अनुरूप उनको स्मार्ट मोबाइल फोन दिए है और इससे वे कानून व्यवस्था, गांव के विकास कार्यों के

बारे में जिला प्रशासन को सूचना का आदान-प्रदान कर सकेंगे। साथ ही वाट्सएप, फेसबुक इत्यादि के जरिए एक-दूसरे के संपर्क में रह सकेंगे।

डिप्टी सीएम ने कहा कि अब राज्य सरकार पात्र नंबरदारों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देना चाहती है और इस योजना का उद्देश्य गंभीर बीमारियां होने पर उन्हें आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभ देना है। उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा भारत में सार्वजनिक व निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य उपचार के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक की धनराशि लाभार्थियों को मुहैया कराई जाती है।

■ हर साल पांच लाख रुपए तक की मेडिकल सुविधा ले सकेंगे नंबरदार

हरियाणा में इस बार किसानों के धान खरीद के दौरान नहीं आयी कोई समस्या

जय हिन्द संवाद

चंडीगढ़। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा के इतिहास में इस बार धान की खरीद सुचारू रूप से हो रही है जो कि काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने कहा कि इसमें विभागीय अधिकारियों और किसानों के सहयोग की विशेष भूमिका रही है।

डिप्टी सीएम बुधवार को यहां अपने कार्यालय में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बैठक में धान की फसल से संबंधित जिला वाइज आवक, खरीद, पेमेंट आदि के बारे में विस्तार से समीक्षा की।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को बैठक में जानकारी दी गई कि 'खरीफ खरीद सीजन

2022-23' में धान खरीद हेतु 210 मंडियां खोली गई जिनमें एक नवंबर 2022 तक 55,10,156 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। इसमें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 50 प्रतिशत, हैफेड ने 30 प्रतिशत, भारतीय खाद्य निगम ने पांच प्रतिशत तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन ने 15 प्रतिशत धान की खरीद की है। जहां तक जिला वाइज धान की खरीद की बात है, इसमें उक्त एजेंसियों ने सबसे अधिक धान कुरुक्षेत्र जिला में 11,75,378 मीट्रिक टन और दूसरे नंबर पर करनाल जिला में 10,85,575 मीट्रिक टन की खरीद हुई है। उपमुख्यमंत्री ने बैठक में बताया कि इस बार किसानों को धान की बिक्री व पेमेंट लेने में कोई समस्या नहीं हुई। उन्होंने बताया कि मंडियों में धान की उठान प्रक्रिया भी समय पर हुई है।

जहर देकर पति को मारने की साजिश

नोएडा। थाना इकोटेक -3 पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 445/22 धारा 328 भादवि के अंतर्गत वांछित अभियुक्त रविन्द्र उर्फ कलुआ पुत्र बालकराम सैनी निवासी मौ0 शंकरपुरी निवाडी थाना निवाडी जनपद गाजियाबाद को कच्ची सडक के पास सीआरपीएफ कैम्प की तरफ रोड के पास से गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्त द्वारा अपनी महिला मित्र सोनम सैनी (जो पूर्व में जेल भेजी जा चुकी है) के साथ षडयन्त्र कर अभियुक्ता सोनम सैनी के पति ज्ञानचन्द्र सैनी पुत्र किशन सैनी निवासी कुम्हार वाली गली हल्दौनी को मारने की नीयत से खाने में जहरीला मिलाकर दे दिया, जिससे ज्ञानचन्द्र सैनी को गम्भीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसकी तबियत में वर्तमान में सुधार है। अभियुक्त रविन्द्र उर्फ कलुआ पुत्र बालकराम सैनी निवासी मौ0 शंकरपुरी निवाडी थाना निवाडी जनपद गाजियाबाद। मु0अ0सं0 445/2022 धारा 328 /406/120बी भादवि थाना इकोटेक 03 जनपद गौतमबुद्धनगर। मु0अ0सं0 1061/18 धारा 392/411 भादवि थाना इकोटेक 03 जनपद गौतमबुद्धनगर।

भारत का सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग तय

टी-20 वर्ल्ड कप में बुधवार को एक सांस रोक देने वाले अहम मुकाबले में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को 5 रन से हरा दिया। इसके साथ ही टीम इंडिया सेमीफाइनल के बिल्कुल करीब पहुंच गई है। अब इस मैच की बात कर लेते हैं। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब उल हसन ने टॉस जीता और टीम इंडिया को पहले बैटिंग का न्योता दिया। लोकेश राहुल, विराट कोहली की हाफ सेंचुरी और सूर्या के कैमियो की मदद से भारत ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 184 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश के ओपनर लिटन दास ने जबरदस्त शुरुआत की। बारिश शुरू होने के पहले बांग्लादेश ने 7 ओवर में 66 रन बनाए थे और उसका कोई विकेट नहीं गिरा था। बहरहाल, बारिश रुकने के बाद बांग्लादेश को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 16 ओवर में 151 रन का रिवाइज्ड टारगेट मिला। यहीं से रोहित की टीम ने खेल पलट दिया और बांग्लादेश हार गई।

8वें ओवर की दूसरी बॉल पर लिटन दास रन आउट हो गए। वे लोकेश राहुल के डायरेक्ट थ्रो का शिकार हुए। लिटन ने 27 बॉल पर 60 रन बनाए। 10वें ओवर की पहली बॉल पर नजमुल होसैन सेंटो कैच आउट हो गए। शमी की बॉल पर सूर्यकुमार यादव ने लॉन्ग ऑन पर कैच पकड़ा। सेंटो ने 25 बॉल पर 21 रन बनाए। 12वें ओवर की पहली बॉल पर अफीफ होसैन कैच आउट हुए। अर्शदीप सिंह की बॉल पर सूर्यकुमार ने लॉन्ग ऑन से दौड़ते हुए मिड-ऑफ पर आ कर कैच पकड़ा। अफीफ ने 5 बॉल पर 3 रन बनाए। 12वें ओवर की पांचवीं बॉल पर शाकिब अल हसन कैच आउट हुए। अर्शदीप की बॉल पर सब्स्टिट्यूट फील्डर दीपक हुड्डा ने डीप मिडविकेट पर कैच पकड़ा।

कार सवार को पीटा

ग्रेटर नोएडा । गौर अतुल्यम सोसाइटी के पास 130 मीटर रोड पर करीब 7:45 बजे गौर अतुल्यमसोसाइटी वासी के साथ मारपीट हुई। इस वारदात में पीड़ित को काफी चोट भी आई।

पीड़ित सुनील यादव ने बताया कि वे गौर अतुल्यम सोसाइटी में ा-ु 'ड्मू' में रहते हैं और लुहारली टोल प्लाजा पर काम करते हैं। करीब 7:45 बजे जब 130 मीटर पर सोसाइटी के पास ही अपनी कार ले जा रहे थे तभी 2 कार जिसमें से एक ने उन्हें ओवरटेक किया और दूसरी कार उसकी कार के पीछे खड़ी हो गई। उसमें से करीब 7-8 कार सवार बाहर निकले और उनके साथ मारपीट की। डंडे से कार के शीशे तोड़ दिए उनका मोबाइल तोड़ दिया और उन्होंने जान बचाने के लिए कार छोड़कर भागे तो फिर उनको पकड कर पीटा। उसका मोबाइल तोड़ दिया।

मौके पर पहुंची ऐचछर चौकी की पुलिस ने उनके बयान लिए। उन्होंने बताया कि वह आरोपियों को नहीं पहचानते हैं और उनकी किसी से कोई रंजिश नहीं है। कार से किसी प्रकार की कोई चोरी नहीं हुई है।

महंगाई पर 6 साल में पहली बार विशेष बैठक

साल था 2018 और नवंबर का महीना। तब एक लीटर सोयाबीन तेल 99 रुपए में मिलता था, अब इसके लिए 165 रुपए चुकाने पड़ते हैं। यानी 4 सालों में इसकी कीमत 66 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ चुकी है। इसी तरह एक किलो तुअर दाल 83 रुपए की जगह 118 रुपए में मिल रही है। पेट्रोल के लिए भी 79 रुपए की जगह अब करीब 97 रुपए देने पड़ते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो रिटेल महंगाई 4 साल में करीब दोगुना हो चुकी है। साल 2017-18 में महंगाई 3.3 प्रतिशत थी, जो अब 7 के करीब है। बीते 9 महीनों से महंगाई दर आरबीआई के 2-6 के दायरे से बाहर बनी हुई है। इस कारण आरबीआई आज एडिशनल मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग कर रहा है। भारत ने 6 साल पहले मुद्रास्फीति-लक्षित मौद्रिक नीति व्यवस्था अपनाई थी, जिसके बाद पहली बार ये मीटिंग हो रही है। इसमें आरबीआई महंगाई कंट्रोल नहीं कर पाने के कारण सरकार को बताएगा। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल होगा कि महंगाई के बढ़ने के क्या कारण होते हैं? सरकार महंगाई को कम क्यों नहीं कर पा रही है? सरकार और आरबीआई के पास महंगाई को कंट्रोल करने के कौन-कौन से टूल हैं? कोविड महामारी के पहले और अब रोजमर्रा की चीजों के दामों में कितना अंतर आया है? जिस तरह से महंगाई बढ़ी है क्या उसी हिसाब से भारत की प्रति व्यक्ति आय भी बढ़ी है? इन सवालों के जवाब जानने से पहले एक नजर आरबीआई की मीटिंग

पर डाल लेते हैं।

आरबीआई एक्ट के सेक्शन 45ZN के तहत मीटिंग

जब भी रिजर्व बैंक महंगाई को तय दायरे में रखने में विफल होता है, तो उसे इसके कारणों को एक्सप्लेन करते हुए सरकार को एक रिपोर्ट देनी पड़ती है। ऐसे में रिजर्व बैंक ने RBI एक्ट के सेक्शन 45ZN के तहत 3 नवंबर को एक एडिशनल मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग बुलाई है। इस मीटिंग में RBI महंगाई को कंट्रोल नहीं कर पाने के कारणों से जुड़ी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। उसे महंगाई को कंट्रोल करने में कितना समय लगेगा ये भी बताना होगा।

महंगाई बढ़ने के कारण क्या है?

महंगाई के बढ़ने का सीधा-सीधा मतलब आपके कमाए पैसों का मूल्य कम होना है। उदाहरण के लिए, यदि महंगाई दर 7 है, तो आपके कमाए 100 रुपए का मूल्य 93 रुपए होगा। ऐसे कई फैक्टर हैं जो किसी इकोनॉमी में कीमतों या महंगाई को बढ़ा सकते हैं। आमतौर पर, महंगाई प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ने, प्रोडक्ट और सर्विसेज की डिमांड में तेजी या सप्लाई में कमी के कारण होती है। महंगाई बढ़ने के 6 बड़े कारण होते हैं-

डिमांड पुल इन्फ्लेशन तब होती है जब कुछ प्रोडक्ट और सर्विसेज की डिमांड अचानक तेजी से बढ़ जाती है।

कॉस्ट-पुश इन्फ्लेशन तब होती है जब मटेरियल कॉस्ट बढ़ती है। इसे कंज्यूमर को पास कर दिया जाता है।

यदि मनी सप्लाई प्रोडक्शन की दर से ज्यादा तेजी से बढ़ती है, तो इसका परिणाम महंगाई हो सकता है।

कुछ इकोनॉमिस्ट सैलरी में तेज बढ़ोतरी को भी महंगाई का कारण मानते हैं। इससे प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ती है।

सरकार की पॉलिसी से भी कॉस्ट पुश या डिमांड-पुल इन्फ्लेशन हो सकती है। इसलिए सही पॉलिसी जरूरी है।

कई देश इंपोर्ट पर ज्यादा निर्भर होते हैं वहां डॉलर के मुकाबले करेंसी का कमजोर होना महंगाई का कारण बनता है।

कमजोर करेंसी और जंग ने बढ़ाई महंगाई

भारत में महंगाई के कारणों की बात करें तो डॉलर की तुलना में रुपया कमजोर होकर 80 के स्तर के पार पहुंच गया है। डॉलर महंगा होने से भारत का आयात और महंगा होता जा रहा है और इससे घरेलू बाजार में चीजों के दाम भी बढ़ रहे हैं। वहीं कोविड के बाद से सप्लाई चेन अभी तक पूरी तरह से पटरी पर नहीं आई है, जिसने महंगाई को बढ़ाया है। इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण क्रूड ऑयल और खाने-पीने के सामानों के दाम बढ़े हैं।

महंगाई कंट्रोल करने के टूल

1. मॉनेटरी पॉलिसी

सेंट्रोल बैंक के पास रेपो रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है तो, RBI रेपो रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। इससे डिमांड में कमी आती है और महंगाई घटती है।

2. इनकम टैक्स में बढ़ोतरी

महंगाई को को कम करने के लिए, सरकार करों (जैसे आयकर और GST) को बढ़ा सकती है और खर्च में कटौती कर सकती है। इससे सरकार की बजट स्थिति में सुधार होता है और अर्थव्यवस्था में मांग को कम करने में मदद मिलती है।

3. फिक्स्ड एक्सचेंज रेट मैकेनिज्म

एक देश निश्चित विनिमय दर तंत्र में शामिल होकर महंगाई को कम रखने की कोशिश कर सकता है। तर्क यह है कि यदि किसी करेंसी का मूल्य निश्चित (या सेमी-फिक्स्ड) है तो यह महंगाई को कम रखने में मदद करता है।

भारत ने क्या कदम उठाए?

रिजर्व बैंक लगातार रेपो रेट बढ़ा रहा है। मई से अब तक रेपो रेट को 4 से बढ़ाकर 5.90 कर दिया गया है।

सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती की है। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कुछ कम हुए हैं।

सरकार ने महत्वपूर्ण कच्चे माल पर आयात शुल्क में कटौती की है। इससे प्रोडक्शन कॉस्ट में कमी आई है।

सरकार ने चीनी के निर्यात पर रोक लगा दी है और गेहूं के निर्यात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है।

सरकार ने अगले दो वर्षों के लिए 20 लाख टन कच्चे सूरजमुखी तेल के ड्यूटी फ्री इंपोर्ट की अनुमति दी।

महंगाई के आगे बेबसी क्यों?

भारत में महंगाई बढ़ने को दो मुख्य कारण हैं। खाने के तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी और साथ ही ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी। दालों की कीमतों के बढ़ने से भी इंडियन फूड बास्केट तेजी से बढ़ा है। केंद्र सरकार ने इन दोनों के ही दामों में कमी लाने के लिए कदम उठाए हैं। पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के साथ कच्चे सूरजमुखी तेल के ड्यूटी फ्री इंपोर्ट की अनुमति दी है।

सरकार के इन कदमों से महंगाई से कुछ हद तक राहत मिली है, लेकिन यह पूरी तरह से कम नहीं हो पाई है। मैन्चुफैक्चरिंग और सप्लाई चेन में दिक्कत महंगाई को बढ़ा रहे हैं। कोरोना महामारी के लॉकडाउन में मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई चेन दोनों प्रभावित हुई थी। इससे माल कम हो गया है और इसलिए उन सामानों की कीमतों में इजाफा हुआ है जो बाजारों तक कम पहुंच रहे हैं। रूस-यूक्रेन जंग ने भी इसमें बड़ा रोल निभाया है।

प्रति व्यक्ति आय घटी

जिस हिसाब से महंगाई बढ़ी है लोगों की आय उस हिसाब से नहीं बढ़ पाई है। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि साल 2017-18 में देश की प्रति व्यक्ति आय 1,14,958 रुपए थी जो 2021-22 में 91,481 रुपए रह गई।

आज लॉन्च होगा सबसे सस्ता 5जी फोन

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी लावा 3 नवंबर को लावा ब्लेज 5जी लॉन्च करने वाला है। पिछले महीने लावा ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2022 इवेंट के दौरान अक्टूबर में पेश किया गया था। कंपनी ने इस फोन को लेकर दावा किया है कि ये सबसे सस्ता 5ज स्मार्टफोन है। ऐसे में इसकी कीमत 10 हजार के करीब होने की उम्मीद है।

फोन में मिलेगा ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप

फोटोग्राफी के लिए फोन में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप मिलेगा। इस कैमरा सेटअप का प्राइमरी सेंसर 50MP का होगा। इसके अलावा सेल्फी व वीडियो कॉलिंग के लिए फोन में 8MP का सेल्फी कैमरा मिलेगा।

फोन में कंपनी 1600×720 पिक्सल रेजोलूशन के साथ 6.5 इंच का एचडी+ LCD पैनल ऑफर कर रही है। इसका रिफ्रेश रेट 90Hz है। इस फोन में 4GB रैम और 128GB का इंटरनल स्टोरेज मिलेगा। कंपनी फोन में 3GB वर्चुअल रैम भी देने वाली है। इससे फोन की टोटल रैम 7GB हो जाएगी। 5,000mAh की दमदार बैटरी लावा ब्लेज 5G में Dimensity 700 प्रोसेसर मिलेगा। फोन में प्री-इंस्टॉल्ड Android 12 OS दिया गया है। इसमें 5,000mAh की बैटरी दी गई है। फोन में ड्यूल सिम, वाई-फाई 6, ब्लूटूथ 5.1, जीपीएस, यूएसबी टाइप सी पोर्ट और 3.5mm ऑडियो जैक दिया गया है।

नोकिया ने लॉन्च किया G60 5G स्मार्टफोन

नोकिया ने अपना नया स्मार्टफोन G60 5G लॉन्च कर दिया है। नोकिया G60 5G को भारत में 29,999 रुपए में लॉन्च किया गया है। इस फोन में 50 मेगापिक्सल ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप मिल रहा है। इसके अलावा इसमें 6.58 इंच का फुल HD+ डिस्प्ले दिया गया है। इस फोन में 5G कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी।

भट्ठी से शुरू नमकीन बिजनेस 1600 करोड़ तक पहुंचा

8 लाख दुकानों पर 250 प्रोडक्ट्स की सेल

अमिताभ बच्चन का टीवी पर बीकाजी भुजिया का ये एड आपने भी देखा होगा..अमित जी लवज बीकाजी भुजिया। अमिताभ 7 दिन भुजिया खाते हैं या नहीं लेकिन बीकानेर में तैयार होने वाला यह नमकीन देश के कोने-कोने में चाय की चुस्कियों के साथ जरूर खाया जाता है। कभी छोटी सी भट्टी पर भुजिया बनाने की शुरुआत करने वाले हल्दीराम अग्रवाल ने शायद ही सोचा होगा कि एक दिन उनके हाथों से तैयार होने वाला नमकीन ब्रांड बन जाएगा। जिसका अब आईपीओ आ रहा है। साल 1940 में एक छोटी सी दुकान से इस सफर की शुरुआत कैसे हुई, बताएंगे आज की इस स्पेशल स्टोरी में.

लेकिन उससे पहले ये जान लीजिए आज बीकाजी भुजिये पर चर्चा क्यों?

दरअसल, बीकाजी भुजिया आज 1600 करोड़ की कंपनी बन गई है। गुरुवार से बीकाजी ब्रांड (शिवदीप फूड्स) का आईपीओ आ रहा है। आगे पढ़िए बीकाजी के ब्रांड बनने का 80 साल का सफर...

बीकानेर में भुजिया बनने का इतिहास तो 150 साल पुराना है। लेकिन इसे ब्रांड बनाया हल्दीराम अग्रवाल ने। एक छोटी सी दुकान पर लगी भट्टी पर हल्दीराम अपने हाथ से भुजिया तैयार करते। फिर खोमचों भरकर दुकान के बाहर सजाते। धीरे-धीरे बीकानेर की भुजिया का स्वाद देशभर में फेमस होने लगा। हल्दीराम बाद में बिजनेस बढ़ाने के लिए कोलकाता चले गए, फिर वहीं बस गए।

लेकिन हल्दीराम भुजियावाला नाम से शुरू हुई दुकान पर उनके बेटे मूलचंद

अग्रवाल ने कारोबार को संभाला। बाद में मूलचंद अग्रवाल के चारों बेटों ने बीकानेरी भुजिया को देश और दुनिया तक पहुंचा दिया। उनके तीन बेटे शिवकिसन अग्रवाल, मनोहर लाल अग्रवाल और मधु अग्रवाल ने हल्दीराम नाम से भुजिया का ब्रांड स्थापित किया। लेकिन चौथे बेटे शिवरतन अग्रवाल ने बीकानेर से ही अलग भुजिया कंपनी बीकाजी की स्थापना की।

शिवरतन अग्रवाल ने 1986 में अपनी कंपनी को नाम दिया शिवदीप फूड्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड। अग्रवाल अपने ब्रांड का नाम ऐसा रखना चाहते थे जो बीकानेर से जुड़ा हो और देशभर में भुजिया के शौकीन भी इस ब्रांड से आसानी से जुड जाएं। ऐसे में बीकानेर के संस्थापक राव बीका के नाम से अपने भुजिया का नाम रखा बीकाजी। अब ये बताने की जरूरत नहीं थी कि ये भुजिया असली बीकानेरी है। क्योंकि बीकानेर ने ही भुजिया का आविष्कार किया था। इसी नाम से उन्होंने बीकानेर में पहली भुजिया फैक्ट्री डाली। साल 1993 में मार्केट में उतरे बीकाजी भुजिया ने दमदार स्वाद के चलते घर-घर तक अपनी पहुंच बनाई। आज बीकाजी कंपनी नमकीन के 250 से ज्यादा प्रोडक्ट बनाती है। जिसमें वेस्टर्न स्नैक्स और फ्रोजन सहित कई वैरायटी हैं। बीकाजी के प्रोडक्ट देशभर में आठ लाख से ज्यादा दुकानों पर उपलब्ध हैं।

बीकानेर में सबसे बड़ी फैक्ट्री

बीकाजी फूड्स की सबसे बडी फैक्ट्री बीकानेर के बीछवाल इंडस्ट्रियल एरिया में है। इस फैक्ट्री में करीब दो हजार लोग काम करते हैं। यहां दुनिया की लेटेस्ट मशीनों के साथ भुजिया सहित दूसरे नमकीन तैयार होते हैं। भुजिया की मेकिंग से लेकर पैकिंग तक की पूरी प्रोसेस मशीन से होती है। कारीगर हाथ से टच तक नहीं करते। क्योंकि इंटरनेशनल प्रोडक्ट होने की वजह से इसके पैरामीटर की पालना की जाती है।

ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और रूस तक जा रही नमकीन

बीकाजी फूड्स के ढाई सौ से ज्यादा ब्रांड न सिर्फ एशिया बल्कि दुनिया के तीस से अधिक देशों में पहुंच रहा है। सबसे पहले वर्ष 1994 में संयुक्त अरब अमीरात में बीकाजी भुजिया एक्सपोर्ट होना शुरू हुआ। 1996 में ऑस्ट्रेलिया में बीकाजी ने एक्सपोर्ट शुरू कर दिया। लगातार अन्य देशों से भी डिमांड आने लगी। आज भी बीकानेरी भुजिया को सबसे ज्यादा गल्फ देशों में पसंद किया जाता है। इसके अलावा अमेरिका, जर्मनी, स्पेन, फ्रांस, रूस, नेपाल, न्यूजीलैंड, कनाडा, कतर, यूनाइटेड अरब अमीरात, बहरीन, नार्वे में भी पहुंच रहा है।

महानगरों में आउटलेट्स

आज करीब आठ लाख दुकानदार बीकाजी भुजिया अपनी दुकानों पर बेच रहे हैं। बीकाजी के आउटलेट्स की संख्या लगातार बढती जा रही है। इन आउटलेट्स की डिजाइन खुद बीकाजी ग्रुप करता है। देशभर में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद सहित अनेक बड़े शहरों में एक-दो नहीं बल्कि अनेक आउटलेट्स हैं। नई दिल्ली, मुंबई और जयपुर में इनकी संख्या सबसे ज्यादा है। हैदराबाद सहित कई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी बीकाजी के आउटलेट्स मौजूद हैं।

अकेले भुजिया के दर्जनों ब्रांड

बीकाजी ने पिछले कुछ सालों में अपने प्रॉडक्ट्स की संख्या में ब?ोतरी की है। बीकाजी आउटलेट्स ग्राहक को दो-पांच तरह के नहीं बल्कि 24 तरह के भुजिया पेश करते हैं। इसके ठेठ बीकानेर नाम की भुजिया भी शामिल है। बीकानेरी भुजिया, तीन नंबर भुजिया, डंकोळी, खोखा भुजिया शामिल है।

ट्विटर को कमाई का अड्डा बनाएंगे भारतवंशी श्रीराम कृष्णन

एलन मस्क के ट्विटर खरीदने के बाद से ही उथल पुथल मची है। CEO पराग अग्रवाल को निकाल दिया गया है। ब्लू टिक के बदले फीस, एडिट बटन जैसे कई फीचर्स पर काम चल रहा है। बताया जा रहा है कि इन सब बड़े फैसलों के पीछे भारतवंशी श्रीराम कृष्णन हैं। श्रीराम कृष्णन 30 अक्टूबर से ही ट्विटर के सैन फ्रांसिस्को हेडक्वार्टर में डेरा जमाए हैं। वहीं मस्क न्यूयॉर्क जा चुके हैं। NYT के मुताबिक इस वक्त सारे बड़े फैसले उन्हीं की देख-रेख में लिए जा रहे हैं। श्रीराम कृष्णन ने 31 अक्टूबर को किए गए ट्वीट में कहा कि अब जब बात बाहर आ ही गई है। मैं ट्विटर के लिए कुछ शानदार लोगों के साथ मिलकर एलन मस्क की मदद कर रहा हूं। मैं मानता हूं कि ये बहुत ही महत्वपूर्ण कंपनी है। इसका दुनिया पर बड़ा असर हो सकता है और एलन वो शख्स हैं जो इसे संभव बनाएंगे। हालांकि उन्होंने अगले ही ट्वीट में ये भी स्पष्ट कर दिया कि अभी भी उनका मुख्य काम a165 कंपनी से ही जुड़ा है। इस इनवेस्टमेंट कंपनी का काम स्टार्टअप्स, कई नामी-गिरामी कंपनियों और क्रिप्टो में निवेश करना है। साफ है इस वक्त ट्विटर में चल रहे बदलावों में श्रीराम कृष्णन की बड़ी भूमिका है। अब सवाल उठता है कि वो कौन-से बदलाव हैं?

पहला बदलाव: ब्लू टिक के लिए हर महीने देने पड़ेंगे 8 डॉलर

31 अक्टूबर को द वर्ज की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ट्विटर के नए मालिक मस्क ने वेरिफिकेशन प्रोसेस यानी प्रोफाइल को ब्लू टिक देने की प्रक्रिया में बदलाव के संकेत दिए हैं। ब्लू सब्सक्रिप्शन के लिए यूजर्स को हर महीने 8 डॉलर यानी 660 रुपए देने होंगे देने होंगे। जो अकाउंट पहले से वेरिफाई हैं, उन्हें 90 दिन में सब्सक्रिप्शन लेना होगा, नहीं तो ब्लू टिक हट जाएगा। ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन को करीब एक साल पहले लॉन्च किया गया था। इसे ट्विटर की प्रीमियम सर्विस कहते हैं। इस सर्विस में यूजर्स को कुछ एक्स्ट्रा फीचर्स ऑफर किए जाते हैं, जो आम ट्विटर यूजर्स के लिए लॉक रहते हैं। ब्लू सब्सक्रिप्शन और पेड वेरिफिकेशन के जरिए ट्विटर अपने रेवेन्यू में इजाफा करना चाहता है। हालांकि ये नियम भारत जैसे देशों में लागू हो गया या नहीं, ये कंफर्म नहीं है।

दूसरा बदलाव: पोस्ट के लिए कैरेक्टर लिमिट 280 से बढ़ाएंगे

ट्विटर जल्द ही मैसेज की 280 कैरेक्टर की लिमिट को भी बडा सकता है। मस्क ने एक ट्वीट के जरिए इसके संकेत दिए हैं। मस्क ने कहा है कि ट्विटर को 280 कैरेक्टर की लिमिट को या तो बडाना चाहिए या फिर लिमिट को हटा देना चाहिए। वर्तमान में ट्विटर पर किसी ट्वीट को करने के लिए यूजर्स 280 कैरेक्टर में ही मैसेज लिख सकता है। पहले यह लिमिट 140 कैरेक्टर की थी।

तीसरा बदलाव: लॉगआउट के बाद भी ट्रेंडिंग ट्वीट्स और स्टोरी देख सकेंगे

एलन मस्क ने होमपेज को भी बदलने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक अब ट्विटर आईडी से लॉगआउट करने के बाद यूजर्स को लॉग इन पेज की बजाय एक्स्प्लोर पेज पर भेजा जाएगा। ऐसे में यूजर्स को पेज पर ट्रेंडिंग ट्वीट्स और न्यूज स्टोरी दिखेंगी। वहीं ट्विटर डॉटकॉम पर जो पहली बार विजिट करेगा, उन्हें भी एक्सप्लोर पेज दिखेगा ताकि अकाउंट क्रिएट करने के लिए यूजर्स को अट्रैक्ट किया जा सके।

माइक्रोसॉफ्ट, फेसबुक और स्नैपचैट में भी काम कर चुके हैं श्रीराम कृष्णन

चेन्नई के रहने वाले कृष्णन पेशे से इंजीनियर हैं। वर्तमान में वह एंड्रीसेन होरीवित्ज नाम की वेंचर कैपिटल फर्म में पार्टनर हैं। इस कंपनी को a165 के नाम से भी जाना जाता है। अपनी पहली नौकरी 2007 में माइक्रोसॉफ्ट में विजुअल स्टूडियो के प्रोग्राम मैनेजर से की।2013 में फेसबुक से जुडे। उन्होंने यहां पर प्रोडक्ट/बिजनेस स्ट्रैटजी समेत कई अहम पदों पर 2016 तक काम किया। उन्होंने स्नैपचैट के साथ भी काम किया, यहां पर उन्होंने कंपनी का आईपीओ आने से पहले एड टेक प्लेटफॉर्म बनाया था। सिलिकॉन वैली की टॉप कंपनियों में काम करने के बाद श्रीराम कृष्णन 2017 में ट्विटर से जुडे। यहां पर कोर कंज्यूमर प्रोडक्ट टीम को लीड किया। इस दौरान साल ट्विटर यूजर ग्रोथ में 20त का इजाफा करने में सफल रहे। उन्हें ट्विटर के होम टाइमलाइन, नए यूजर के एक्सपीरिएंस, सर्च, डिस्कवरी और ऑडियंस ग्रोथ जैसे अहम काम करने थे। वह 2019 तक ट्विटर से जुडे रहे है और होम पेज को नए सिरे से लॉन्च किया। इसके साथ ही वह याहू कंपनी में में भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रह चुके हैं। साथ ही बिट्स्की, होपिन और पॉलीवर्क जैसी कई कंपनियों के बोर्ड में रहे हैं। 2021 में उन्होंने एंड्रीसेन होरीवित्ज को ज्वाइन किया। यह क्लब हाउस में एक मेजर इंवेस्टर हैं। क्लब हाउस एक सोशल ऑडियो एप है जिसे 2020 में जारी किया गया था। कृष्णन की तरह ही उनकी पत्नी आरती राममूर्ति भी चेन्नई से है। दोनों की मुलाकात इंजीनियरिंग करने के दौरान हुई। इससे पहले याहू पर चैटिंग के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई थी। 37 वर्षीय दंपति सैन फ्रांसिस्को के नोए वैली में रहते हैं और उनकी 2 साल की बेटी है। आरती राममूर्ति ने नेटफ्लिक्स और फेसबुक जैसी कंपनियों में काम किया है और स्टार्ट-अप्स ट्रू एंड कंपनी और ल्यूमॉइड की शुरुआत की है।

प्रियंका ने मरीन ड्राइव पर की मस्ती

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जोनस करीब तीन साल तक विदेश में रहने के बाद अब घर वापसी कर चुकी हैं। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में मुंबई लौटी हैं और उसके बाद से ही उनके फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। मुंबई आने के बाद प्रियंका हाल ही में मरीन ड्राइव पहुंची और वहां खूब मस्ती की। प्रियंका के फोटोज वीडियोज वायरल हो रहे हैं। बीती रात प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में प्रियंका ने मुंबई की मरीन ड्राइव पर मस्ती करती नजर आ रही हैं। वीडियो में दिख रहा है कि प्रियंका मरीन पर जाकर काफी खुश हैं और खूब पोज दे रही हैं। वीडियो में प्रियंका ने सफेद ड्रेस पहनी हुई है, जिस में काफी सिजलिंग दिख रही हैं। वीडियो के साथ कैप्शन में प्रियंका ने लिखा- पिट स्टॉप एट एन ओल्ड हॉन्ट, चाहें एक मिनट के लिए ही सही. मुंबई मैंने तुम्हें मिस किया। गौरतलब है कि प्रियंका चोपड़ा की आखिरी बॉलीवुड फिल्म द व्हाइट टाइगर थी। वहीं उसके बाद वो हॉलीवुड फिल्म द मेट्रिक्स रेसररेक्शन्स में नजर आई थीं। बात प्रियंका के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की करें तो वो कटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ फिल्म जी ले जरा में नजर आएंगी। इसके अलावा प्रियंका के खाते में हॉलीवुड फिल्म सिटाडेल और अभिनेता एंथोनी मैकी संग एक्शन फिल्म एंडिंग थिंग्स भी शुमार है।

शाहरुख की जिंदगी पर फिट पठान के डायलॉग्स

शाहरुख खान की मच अवेटेड फिल्म पठान की झलक लोगों को मिल चुकी है। फिल्म का टीजर उनके बथडे पर रिलीज किया है। ऐक्शन से भरपूर टीजर देखकर उनके फैन्स काफी एक्साइडेट हैं। फिल्म का टीजर देखेंगे तो आपको कई पुरानी फिल्मों की याद आ सकती है। लेकिन इसके शुरुआती डायलॉग्स गौर करने वाले हैं। अगर आप ध्यान से सुनेंगे तो ये आपको शाहरुख खान की जिंदगी पर सटीक बैठते नजर आएंगे। फिल्म के टीजर की शुरुआत होती है, क्या जानते हो पठान के बारे में तीन साल से उसकी कोई खबर नहीं, अपने लास्ट मिशन में वह पकड़ा गया, सुना है बहुत टॉर्चर किया गया उसे, पता नहीं कि पठान मर गया है या... इसके बाद शाहरुख बोलते हैं, पठान जिंदा है। एक तरह से ये सारी बातें शाहरुख खान की जिंदगी की कहीं न कहीं झलक देती हैं। शाहरुख खान की आखिरी फिल्म जीरो दिसंबर 2018 में रिलीज हुई थी। 2019 से वह लगभग गायब हैं। टीजर में भी बोला जाता है, तीन साल से उसकी कोई खबर नहीं। शाहरुख की आखिरी फिल्म जीरो फ्लॉप थी। पठान भी अपने आखिरी मिशन में पकड़ा गया था। इसके बाद डायलॉग है, सुना है उसे बहुत टॉर्चर किया गया। शाहरुख खान की जिंदगी में भी इस बीच काफी अप्स ऐंड डाउन्स रहे। वजह जो भी हो लेकिन पर्सनली उनके लिए ये किसी टॉर्चर से कम नहीं रहे। इसी का जवाब शाहरुख ने फिल्म पठान के रूप में दिया है और टीजर में वह बोलते हैं, पठान जिंदा है। हालांकि यह डायलॉग सलमान की फिल्म टाइगर जिंदा है की भी याद दिलाता है। पूरे टीजर में सिर्फ ऐक्शन दिखाया गया है और शाहरुख के ये सिलेक्टेड डायलॉग्स हैं। आखिर में शाहरुख बोलते हैं, अपनी कुर्सी की पेटी बांध लो, मौसम बिगड़ने वाला है। फिल्म में दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी हैं। अगर आप ऐक्शन फिल्में पसंद करते हैं और शाहरुख-दीपिका के फैन हैं तो टीजर जरूर पसंद आया होगा। बाकी फिल्म में कितना दम है यह बात ट्रेलर आने के बाद और साफ हो पाएगी। फिल्म 25 जनवरी 2023 को हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगी।

अक्षय कुमार का मराठी डेब्यू

अक्षय ने फैन्स को बड़ा सरप्राइज दिया है और अपनी पहली मराठी फिल्म का ऐलान किया है। अक्षय कुमार, निर्देशक महेश मांजरेकर की वेडात मराठे वीर दौडले सात से मराठी डेब्यू करने को तैयार हैं। वेडात मराठे वीर दौडले सात एक मराठी फिल्म होगी, जिसका निर्देशन महेश मांजरेकर करेंगे। इस फिल्म में अक्षय कुमार, छत्रपति शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म का हाल ही में एक इवेंट आयोजित किया गया था, जिस में सलमान खान भी नजर आए। अक्षय ने मराठी डेब्यू और अपने किरदार पर मीडिया से बातचीत में कहा, मेरे लिए यह एक सपने के साकार होने जैसा है। बता दें कि वेडात मराठे वीर दौडले सात में सिर्फ छत्रपति शिवाजी महाराज ही नहीं बल्कि सात मराठा वीरों की कहानी को पर्दे पर दिखाया जाएगा। ऐसे में जानकारी के मुताबिक फिल्म में छत्रपति शिवाजी बने अक्षय का किरदार काफी बड़ा नहीं लेकिन अहम होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 2023 में दिवाली पर रिलीज हो सकती है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।बात अक्षय कुमार के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की करें तो मराठी फिल्म वेडात मराठे वीर दौडले सात के साथ ही बॉलीवुड में वो ओ माय गॉड 2, गोरखा, बड़े मियां छोटे मियां, जॉली एलएलबी 3, सेल्फी, कैप्सूल गिल में नजर आएंगे। ये सभी फिल्में करीब करीब 2022-23 में रिलीज हो जाएंगी, जिन में उनके साथ अलग अलग सितारे नजर आएंगे। वहीं, अक्षय कुमार फिल्म द एंड से डिजिटल डेब्यू करने वाले हैं।

'भारत जोड़ो यात्रा' का 56वां दिन

राहुल गांधी को मिला पूजा भट्ट का साथ

बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा भट्ट सिनेमाई दुनिया से थोड़ा दूर ही रहती हैं, लेकिन अक्सर किसी न किसी वजह से खबरों में रहती हैं। ऐसे में अब पूजा, भारत जोड़ो यात्रा के साथ जुड़ गई हैं। पूजा भट्ट, बुधवार को हैदराबाद में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं, जहां उन्होंने राहुल गांधी के साथ करीब साढ़े किमी पैदल यात्रा भी की। पूजा यात्रा में हिस्सा लेने वाली पहली बॉलीवुड सेलेब्रिटी हैं, उन्हें यात्रा में राहुल के साथ पैदल चलते समय बातचीत करते हुए भी देखा गया। बता दें कि पूजा भट्ट अक्सर की देश विदेश से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखती हैं। ऐसे में अब वो राहुल के साथ भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं, जहां उन्हें राहुल के साथ तेज गति से पैदल चलते देख यात्रा मार्ग में मौजूद लोग काफी खुश नजर आए। भारत जोड़ो यात्रा बुधवार को हैदराबाद सिटी स्थित बालानगर मेन रोड के एमजीबी बजाज शोरूम से फिर से शुरू हुई। यह राहुल गांधी की अगुवाई वाली इस यात्रा का 56वां दिन है। याद दिला दें कि भारत जोड़ो यात्रा सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। यात्रा पिछले सप्ताह तेलंगाना में प्रवेश करने से पहले तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से गुजरी। वहीं तेलंगाना में भारत जोड़ो यात्रा का आज आठवां दिन है। कांग्रेस की तेलंगाना इकाई ने यात्रा के समन्वय के लिए 10 विशेष समितियों का गठन किया है।

सिद्धार्थ और कियारा की शादी की तैयारी फुल स्विंग में

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी बॉलीवुड की पॉपुलर जोड़ी है। दोनों को फैंस बहुत पसंद करते हैं। कुछ दिनों से दोनों की शादी की खबरें भी कुछ दिनों से खूब सुर्खियों में हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि जल्द ही दोनों शादी के बंधन में बंधेंगे। इसी बीच अब शादी को लेकर एक और नया अपडेट आया है। ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों अब शादी के लिए लोकेशन देख रहे हैं। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक सिद्धार्थ मल्होत्रा के क्लोज सोर्स ने कहा कि दोनों महीने से शादी के लोकेशन ढूंढ रही हैं और ऐसा पता चला है कि कियारा और सिद्धार्थ चंडीगढ़ में लग्जरी प्रॉपर्टी ढूंढ रहे हैं। वहीं चंडीगढ़ के द ओबेरॉय सुखविला स्पा और रिजॉर्ट को शादी के लिए देखा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राजकुमार राव और पत्रलेखा की भी शादी इसी जगह पर हुई थी। उन्होंने आगे कहा, ऐसा भी कहा जा रहा है कि पहले दोनों गोवा में शादी करने का प्लान बना रहे थे, लेकिन सिद्धार्थ का बड़ा पंजाबी परिवार है और इस वजह से फिर उन्होंने गोवा का आइडिया ड्रॉप कर दिया। बता दें कि कियारा और सिद्धार्थ से हाल ही में कॉफी विद करण में दोनों से शादी को लेकर सवाल पूछा था। दोनों ने इस दौरान क्लीयर तो नहीं कहा, लेकिन हिंट दी कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

इसी दौरान यह भी हिंट मिली की दोनों जल्द शादी भी कर सकते हैं। खैर अब चंडीगढ़ हो या गोवा कोई भी लोकेशन हो, फैंस बस जल्द से जल्द शादी की डेट जानना चाहते हैं। सिद्धार्थ और कियारा के बारे में बता दें कि दोनों ने फिल्म शेरशाह में साथ में काम किया था। दोनों की जोड़ी को काफी पसंद किया गया। इसी फिल्म के बाद दोनों का रिलेशन और स्ट्रॉन्ग हुआ। दोनों साथ में कई बार वेकेशन पर गए हैं। नए साल पर भी दोनों साथ में रहे हैं। हालांकि दोनों ने कभी साथ में फोटोज शेयर नहीं की। वहीं दोनों एक-दूसरे के परिवार के साथ भी टाइम स्पेंड करते हैं। दोनों शादी से पहले एक-दूसरे को और अच्छे से समझना चाहते हैं। इतना ही नहीं दोनों लिव के लिए अच्छा घर देख रहे हैं। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि अगर दोनों को कोई अच्छा घर नहीं मिला तो दोनों फिर सिद्धार्थ के घर ही रहेंगे।

बोनी कपूर ने सबके सामने किया जाह्नवी को शर्मिंदा

कपिल शर्मा के शो में इस बार जाह्नवी कपूर अपने पिता बोनी कपूर के साथ पहुंचीं। शो में दोनों ने हंसी-मजाक के साथ एक-दूसरे के बारे में मजेदार खुलासे किए। बोनी ने बताया कि जाह्नवी घर में कैसे रहती हैं। उनके पापा ने इतना कुछ बता दिया कि जाह्नवी बुरी तरह झेंप गईं। जाह्नवी कपिल के शो पर मिली के प्रमोशन के लिए आई थीं। सोनी टीवी ऑफिशियल के चैनल पर शो का वीडियो शेयर किया गया है। इसमें बोनी जाह्नवी की पोल खोलते नजर आ रहे हैं। बोनी बताते हैं, इसके कमरे में जब मैं सुबह जाता हूं, तो कपड़े बिखरे होते हैं। टूथपेस्ट खुला होता है, मुझे बंद करना पड़ता है। शुक्र है फ्लश खुद कर लेती है। यह सुनकर जाह्नवी झेंप जाती हैं और चिल्लाती हैं, पापा...। बोना का खुलासा सुनकर कपिल सहित सभी लोग हंसने लगते हैं।शो की कई क्लिप्स चैनल शेयर कर चुका है। एक क्लिप में जाह्नवी बता रही हैं कि उनके डैड को साउथ खाने का ज्यादा शौक है। इस पर कपिल कहते हैं, मोहब्बत भी ऐसी चीज है, पराठे से इडली पर शिफ्ट हो गए।

अंजलि की बर्थडे पार्टी के इनसाइड फोटोज वायरल

सोशल मीडिया सेंशन अंजलि अरोड़ा का आज जन्मदिन है। अंजलि अरोड़ा ने बीती रात दोस्तों को बर्थडे पार्टी दी, जहां उन्होंने खूब मस्ती की। अंजलि की बर्थडे पार्टी में उर्फी जावेद सहित कई और सेलेब्स शुमार हुए, जहां उन्होंने धमाल किया। अंजलि के बर्थडे पार्टी के इनसाइड फोटोज सामने आए हैं, जहां वो काफी मस्ती के मूड में नजर आ रही हैं। अंजलि इन तस्वीरों में काफी खूबसूरत दिख रही हैं। बीती रात अंजलि अरोड़ा ने मुंबई के HEX-HIGH ENERGY XPERIENCE Lounge Bar में दोस्तों को प्री बर्थडे पार्टी दी। इस खास मौके पर उर्फी जावेद, निशा रावल, समीक्षा सुद, पारस कलनावत, उमर रियाज, अली मर्चेंट, जीशान खान और विनीत कक्कड़ सहित कई अन्य सेलेब्स शुमार रहे। अंजलि की पार्टी में सभी सेलेब्स ने खूब मस्ती की। अंजलि की बर्थडे पार्टी के इनसाइड फोटोज में वो एक ओर जहां काफी खूबसूरत दिख रही हैं तो दूसरी ओर काफी मस्ती करती भी दिख रही हैं। लाल गाउन में 23 की हो चुकीं अंजलि दिलकश लग रही थीं। अंजलि ने पार्टी में केक कट किया, खूब मस्ती और ढेर सारा डांस किया। सोशल मीडिया यूजर्स भी अंजलि के लुक की तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि कच्चा बादामा गाने पर डांस करके रातों रात इंटरनेट सेंशन बनीं अंजलि अरोड़ा की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। अंजलि अरोड़ा ने कंगना रनौत के शो लॉक अप में भी जलवा बिखेरा है। इसके बाद से ही अंजलि अरोड़ा कई म्यूजिक वीडियोज में नजर आ चुकी हैं, जिन्हें फैन्स ने खूब प्यार दिया है। अंजलि अरोड़ा का फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर अक्सर वायरल होते हैं, और कमेंट्स सेक्शन में फैन्स खूब प्यार बरसाते हैं। हालांकि कई बार उन्हें ट्रोल भी किया जाता है।

इन्वेस्टर समिट में यमुना प्राधिकरण ने उद्यमियों को किया आकर्षित

यूपी के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने किया शुभारंभ, दिलाया भयमुक्त औद्योगिक गतिविधियों का विश्वास

जय हिन्द संवाद

नई दिल्ली/नोएडा। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने मेडिकल डिवाइस पार्क और टॉय पार्क के लिए बड़े निदेशकों को आकर्षित करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में आज दिल्ली के पांच सितारा होटल द ललित में मेडिकल डिवाइस पार्क प्रोजेक्ट के संबंध में इन्वेस्टर सम्मिट का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ यूपी के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने किया।

इस मौके पर औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी के साथ-साथ भारत सरकार के औषधि मंत्रालय के संयुक्त सचिव एंड युवराज, फार्मा सलाहकार डॉ जीएन सिंह, प्रमुख सचिव खाद एवं रसद विभाग श्रीमती अनीता सिंह मौजूद रहे। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरूणवीर सिंह यहां निवेशकों को यमुना प्राधिकरण क्षेत्र की खूबियां बताईं और बताया कि किस तरह से पिछले 3 साल में यहां विकास कार्य हुए हैं। इस दौरान बताया गया कि यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना के लिए पारदर्शी नीति अपनाई जा रही है सभी आवंटनों को निष्पक्ष तरीके से प्रक्रिया से किया जा रहा है।

टॉय पार्क के संबंध में भी निवेशकों को जानकारी दी गई। यह पार्क सेक्टर 33 में बनने जा रहा है। यहां बताया कि खिलौना उत्पाद का मार्केट 7 लाख करोड़ का है जिसमें भारत की हिस्सेदारी अन्य देशों की अपेक्षा कम है। 2014 में खिलौना उद्योग में भारत की भागीदारी 774 करोड़ की जो वर्ष 2023 में 33 गुना बढ़कर 2587 करोड़ हो गई। यीडा सिटी टॉय पार्क को देश में सबसे अधिक उत्पादन करने वाले के रूप में देखा जा रहा है। यहां पर 1000 वर्ग मीटर से लेकर 10000 वर्ग मीटर तक के कुल 136 भूखंड है। जिससे कि 406 करोड़ का

निवेश आएगा और करीब 6000 लोगों को रोजगार मिलेंगे। खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने में सरकार की अहम भूमिका है।

इस मौके पर औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कोरोना काल में निवेश के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने पर यमुना प्राधिकरण के सीईओ को सम्मानित भी किया। इस मौके पर प्राधिकरण के एसीईओ रविन्द्र सिंह, मोनिका रानी, ओएसडी शैलेन्द्र भाटिया और एसोचैम, फिक्की आदि के सदस्य मौजूद रहे।

44 और फ्लैट खरीदारों को मिला मालिकाना हक

- ग्रेनो प्राधिकरण की पहल पर फ्लैटों की रजिस्ट्री के लिए शिविर आयोजित
- 2 दिन के शिविर में 44 फ्लैट खरीदारों के नाम हुई रजिस्ट्री

जय हिन्द संवाद

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में बिल्डर प्रोजेक्ट में फ्लैट खरीदने वाले 44 और खरीदारों को मालिकाना हक मिल गया है। सोमवार व बुधवार को ग्रेटर नोएडा के ऑडिटोरियम में आयोजित विशेष शिविर में इन फ्लैट खरीदारों के नाम रजिस्ट्री हुई। विगत 4 शिविर में 184 फ्लैट खरीदारों को अपने फ्लैट का

मालिकाना हक मिल गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी के निर्देश पर फ्लैटों की रजिस्ट्री के लिए प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बीते सोमवार व बुधवार को भी शिविर आयोजित हुआ। इस शिविर में प्राधिकरण के साथ ही रजिस्ट्री विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे और इन खरीदारों के नाम कागजात तैयार कराकर तत्काल रजिस्ट्री कराई गई। इन 2 दिनों में पंचशील ग्रीन्स 2, कामरूप इंफ्राबिल्ड, दिव्यांश फ्लोरा और हवेलिया बिल्डर्स के रिहायशी प्रोजेक्ट के फ्लैट खरीदारों के नाम रजिस्ट्री की गई। अपने फ्लैट की रजिस्ट्री का मालिकाना हक पाने के बाद खरीदारों ने प्राधिकरण व रजिस्ट्री विभाग के इस पहल की सराहना की। खरीदारों ने कहा कि शिविर में आकर उनके फ्लैट की रजिस्ट्री आसानी से हो गई। उन्हें परेशान नहीं होना पड़ा। शिविर में मौजूद प्राधिकरण व रजिस्ट्री विभाग की टीम मौके पर ही कागजात तैयार कराकर तत्काल रजिस्ट्री कराने में खरीदारों की सहयोग कर रही थी। प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने फ्लैट खरीदारों से इस शिविर का लाभ लेकर अपने फ्लैट की रजिस्ट्री शीघ्र कराने की अपील की है।

रजिस्ट्री के लिए अब नियमित रूप से लगेगा शिविर

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रितु माहेश्वरी के निर्देश पर फ्लैटों की रजिस्ट्री के लिए अब नियमित रूप से शिविर लगाया जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और रजिस्ट्री विभाग की तरफ से इन शिविरों के लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है। आगामी 3 नवंबर को एसजेपी होटल्स एंड रिजॉर्ट्स, 4 नवंबर को आस्था इंफ्रासिटी, 7 नवंबर को ऐम्स गोल्फ टाउन, 9 नवंबर को पंचशील बिल्डटेक, 10 नवंबर को पिजन बिल्डहोम, 11 नवंबर को कामरूप इंफ्राबिल्ड, 14 नवंबर को अरिहंत इंफ्रा रियलेटर्स, 15 नवंबर को महालक्ष्मी बिल्डटेक, 16 नवंबर को ओमकार नेक्स्ट, 17 नवंबर को जिंदल प्रमोटर्स, 18 नवंबर को ऐंथम इंफ्रास्ट्रक्चर और 21 नवंबर को गौड़ संस प्रमोटर्स के फ्लैटों की रजिस्ट्री होगी। प्राधिकरण का कहना है कि तय शेड्यूल के अलावा भी अगर कोई अन्य खरीदार संपत्ति की रजिस्ट्री के लिए आता है, तो उसकी भी रजिस्ट्री की जाएगी।

शहीद हुए सैनिकः अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

शादी का माहौल मातम में बदला

जय हिन्द संवाद

नोएडा। कारगिल के बटालिक सेक्टर में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए सैनिक आलोक पाठक का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव पहुंचा। इस दौरान लोगों की आंखें नाम की और परिवार वालों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। 26 नवबंर को उनकी शादी होनी थी जिसको लेकर घर में तैयारी चल रही थी। उत्वस का माहौल मातम में बदल गया। सेना के अधिकारी उनके पार्थिव शरीर को ताबूत में लेकर यहां पहुंचे। इस दौरान भारत मां की जय और आलोक पाठक अमर रहे के नारे लगे और सलामी दी गई। भगीरथी गंगा घाट कछला पर सैनिक सम्मान के साथ उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया। चेतन वीर पाठक मूलत: बरेली जिले के फरीदपुर थाना क्षेत्र के गांव कादराबाद के के मोहल्ला अंबिकापुरी में रहते है उनके दो बेटे है एक संजय पाठक और दूसरे आलोक पाठक ।

उनके बड़े बेटे संजय पाठक भाजपा मंडल नगर मंत्री हैं जबकि आलोक पाठक सेना में 16 आरआर राजपूत रेजीमेंट में हवलदार के पद पर तैनात हुए। आलोक पाठक की 27 नवंबर को दातागंज की गूरा बरैला से शादी होनी थी। परिवार के लोग शादी तैयारियों में लगे थे रविवार को सूचना मिली थी बटालिक में ड्यूटी करते समय ग्लेशियल फट गया। जिसमें आलोक को चोटे आई। इसी बीच उनके सिर में चोट लगने के कारण उनकी हालत बेहद गंभीर हो गई। कारगिल के सेना अस्पताल ले जाया गया। जहा उनकें दिमाग की सर्जरी की गई। हालत में सुधार ना होने पर उन्हें उधमपुर अस्पताल ले जाया गया। जहां सोमवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। सूचना मिलते ही परिवार में शादी का माहौल मातम में बदल गया। उनके भाई संजीव पाठक अपने परिजनों के साथ उनके पार्थिव शरीर को बदायूं लेने के लिए सोमवार रात रवाना हुए। मंगलवार को करीब 9 बजे परिजनों के साथ सेना के अधिकारी उनके पार्थिव शरीर को लेकर उनके घर पहुंचे। जहां सैकड़ों की संख्या में रिश्तेदार, परिजन, परिचित और मोहल्ले वाले एकत्र हो गए। सैनिक सम्मान के साथ उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस बल की डयूटी लगाई गई। इस दौरान नोएडा प्राधिकरण में कार्यरत हिमांशु अत्री भी पहुंचे। क्योंकि आलोक पाठक साले थे।

घर पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा है। यहां आने वाले लोगों की आंखें नम थी लेकिन लोग दर्द बयां नहीं कर पा रहे थे।

ट्रक से टकराई कार, महिला की मौत, तीन लोग घायल

जय हिन्द संवाद

नोएडा। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के अंतर्गत झटटा गांव के पास एक्सप्रेस वे पर अलीगढ़ से दिल्ली, नोएडा आ रही होंडा इमेज कार खड़े ट्रक में टकरा गई। जिससे मौके पर ही कार सवार महिला टीचर की मौत हो गई तथा ड्राइवर सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें नोएडा के फेलिक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एडिशनल डीसीपी विशाल पांडे ने बताया कि अलीगढ़ से दिल्ली, नोएडा की सवारी लेकर जा रही हौंडा इमेज कार झट्टा गांव के पास खराब खड़े ट्रक में टकरा गई, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस की टीम और आसपास के लोगों ने कार में सवार सभी को बाहर निकाला।` कार में सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई तथा ड्राइवर सहित तीन लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी नॉलेज पार्क विनोद कुमार सिंह और उनकी टीम ने घायलों को फेलिक्स अस्पताल में भर्ती कराया तथा महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

फुटबाल प्रतियोगिता में डीएवी नोएडा ने जीता फाइनल मैच

जय हिन्द संवाद

नोएडा। डीएवी स्कूल द्वारा आयोजित डीएवी नैशनल स्पोर्ट्स फूटबाल प्रतियोगिता 2022 दिल्ली एनसीआर (जोनल लेवल) का आयोजन किया गया। जिसमें नोएडा डीएवी स्कूल ने गोल्ड जीता।

नोएडा महानगर कांग्रेस अध्यक्ष रामकुमार तंवर की बेटी लावण्या तंवर डीएवी स्कूल की टीम की मेन डिफेंडर के बेहतरीन खेल की बदोलत विपक्षी टीम एक भी गोल नही करपाई, जिसके परिणाम सरूप डीएवी नोएडा की टीम ने फाइनल

मैच में 3ञ0 से अजय बढ़त बनाते हुए डीएवी गुरुग्राम सेक्टर-49 को हराते हुए फाइनल मैच को जीता।

इससे पहले नोएडा डीएवी टीम ने डीएवी पश्चिम विहार को 4ञ0 से एक तरफा हरा कर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उसके बाद सेमीफाइनल में नोएडा डीएवी ने डीएवी फरीदाबाद सेक्टर-30 को 1ञ0 से हरा कर फाइनल में जगह बनाई थी।

फाइनल मैच में नोएडा डीएवी ने रोमांचक मैच में डीएवी गुरुग्राम को 3ञ0,से मात दी। लावण्या तंवर के मजबूत डिफेन्स के कारण कोई भी विपक्षी टीम एक भी गोल नही करपाई, उधर सृष्टि गुर्जर व अनुष्का दत्ता ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम के गोल में कई बार बोल पहुँचाई।

डीएवी नोएडा टीम के कोच प्रशान्त बाग व नोएडा डीएवी स्कूल की लड़कियों की टीम की कड़ी मेहनत की बदोलत आज नोएडा डीएवी की टीम गोल्ड जितने में कामयाब हो पाई।

बदमाशों ने लूटे 1.12 लाख

जय हिन्द संवाद

नोएडा। बाइक सवार बदमाशों ने बरौला के पास स्क्रैप ठेकेदार के मुनीम से चाकू के बल पर बैग लूट लिया। वारदात के समय पीड़ित के बैग में 1.12 लाख रुपये थे। इस संबंध में सेक्टर-49 थाने में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

पुलिस को दी शिकायत में हाजी चांद ने बताया कि उनका दिल्ली के दल्लपुरा में स्क्रैप का गोदाम है। यहां पर अरुण जायसवाल मुनीम के तौर पर काम करते हैं। वह मंगलवार को दिल्ली से स्क्रैप का बकाया लेने के बाद स्कूटी से नोएडा आए थे। उन्हें नोएडा में स्क्रैप व्यापारियों को पैसे देने थे। वह स्कूटी से हरिओम धर्मकांटा पहुंचे और यहां पर 38,700 रुपये का भुगतान किया। फिर ओम धर्म कांटा बरौला के लिए रवाना हो गए। जब वह केंद्रीय विहार के पास से गुजर रहे थे। इसी बीच एक बाइक पर दो बदमाश आए और उन्हें रोक लिया। आरोप है कि बदमाशों ने अरुण से चाकू के बल पर नोट से भरा बैग लूट लिया। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

दो दिवसीय बाबा शीतल कुश्ती गोल्ड प्रतियोगिता

जय हिन्द संवाद

नोएडा। मिनी इंडोर स्टेडियम सरफाबाद में बाबा शीतल कुश्ती गोल्ड प्रतियोगिता का आयोजन 5 व 6 नवंबर को होगा। जिसमें फिल्म स्टार एवं सांसद मनोज तिवारी, क्षेत्रीय सांसद महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, पूर्व सांसद डीपी यादव तथा तीनों विधानसभाओं के विधायक आदि मौजूद रहकर पहलवानों का हौसला बढ़ाएंगे। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के पाँच सौ से अधिक पहलवान हिस्सा लेंगे।

संस्था के अध्यक्ष सतपाल यादव ने पत्रकार वार्ता में बताया कि बाबा शीतल मैमोरियल ट्रष्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष

भी 8 वां बाबा शीतल कुश्ती गोल्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा हैं।

ट्रस्ट के संरक्षक राकेश यादव ने बताया कि इस गोल्ड कुश्ती प्रतियोगिता में देश के अनेक प्रदेशों से राष्ट्रीय स्तर के पाँच सौ से अधिक पहलवान हिस्सा लेंगें। वही इस कुश्ती प्रतियोगिता को पाँच भागों में बांटा गया हैं। जिसमें प्रथम टाइटल में भारत केसरी 82 किलो से अधिक वजन के पहलवान हिस्सा लेंगें। जिसमें प्रथम स्थान पाने वाले को एक लाख 51 हजार रुपये, वही दूसरे स्थान पाने वाले को 71 हजार व तीसरे स्थान पाने वाले को 51 हजार रुपये पुरस्कार के रूप में प्रदान किये जाएंगे। जबकि द्वितीय टाइटल में भारत कुमार-75 किलोग्राम से अधिक के पहलवान भाग लेंगे। जिसमें क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय आने वाले पहलवानों को एक लाख, द्वितीय को51 हजार व तृतीय को 31 हजार रुपये का इनाम दिया जायेगा। जबकि तृतीय टाइटल में भारत वीर अभिमन्यु जिसमें 68 किलोग्राम से अधिक के पहलवान प्रतिभाग करेंगें जिन्हें क्रमशः 61 हजार, 31 हजार व 21 हजार रुपये पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे।

सुंदर यादव ने बताया कि इस कुश्ती प्रतियोगिता में होने वाली अपार भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए हैं। जिसमें वालंटियर के साथ,- साथ पुलिस बल भी तैनात किया जायेगा। इस दौरान मुकेश यादव, प्रकाश यादव, रामी यादव, विक्रम यादव, महेश यादव, चमन पहलवान ,ओपी यादव सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी मौजूद थे।

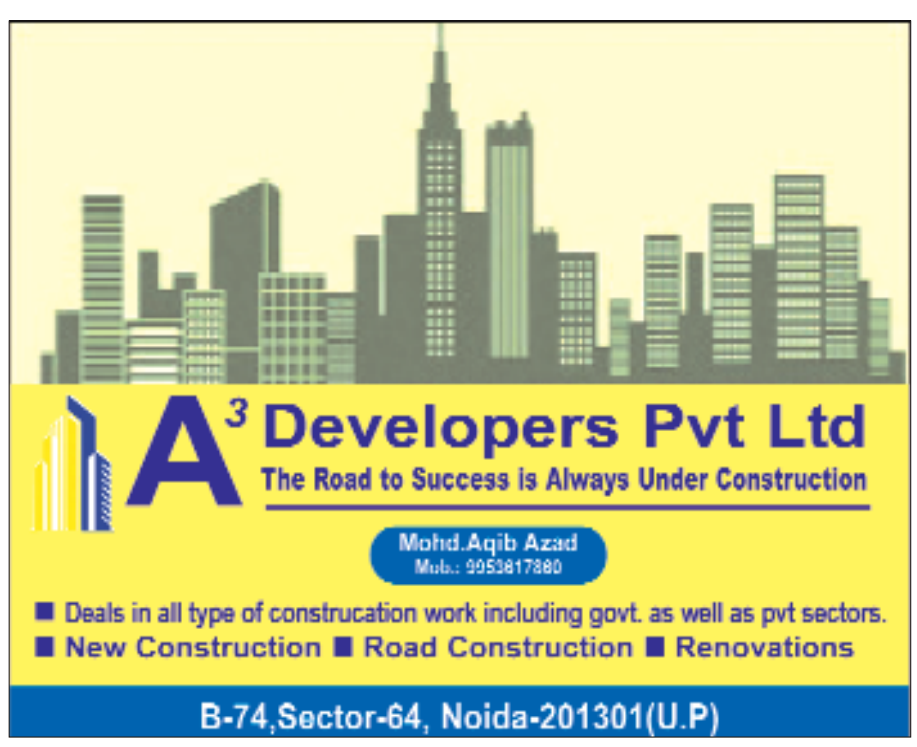

जे. एच. जे. कम्यूनिकेशन प्रा.लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मोहम्मद इमरान द्वारा सी-65, सेक्टर-9 नोएडा, से प्रकाशित व बीएफएल इंफोटेक लि., सी-9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। संपादक मोहम्मद आजाद (RNI No. : UPHIN/05/14445), (सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा) फोन नं. 9311220786. फैक्स : 0120:4267616. Email: jaihindjanab00@gmail.com